Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 243 | शनिवार, 12 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

मोदी-पुतिन की केमिस्ट्री ने बदला डिफेंस गेम

भारत को एक से बढ़कर एक घातक हथियार देने का प्रस्ताव, यूक्रेन पर भी हुई बात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत की राजधानी दिल्ली में सुहावने मौसम के बीच जब दो मित्र देश भारत और रूस के राष्ट्राध्यक्ष मिले तो द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने, व्यापार बढ़ाने, रक्षा सौदों आदि को लेकर तो व्यापक वार्ता हुई ही साथ ही यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष बड़ी प्रमुखता से उठाया। इसके अलावा, दोस्त भारत के लिए रूस ने जिस तरह एक से एक घातक रक्षा उपकरण और तकनीक देने के प्रस्ताव सामने रख दिये हैं उससे पूरी दुनिया में खलबली मच गयी है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब भी साथ होते हैं, तो उनकी बातचीत ही नहीं, उनके हावभाव भी दुनिया को कई बड़े संदेश देते हैं, इस बार भी ऐसा ही हुआ। BRICS शिखर सम्मेलन से पहले मोदी और पुतिन की करीब 45 मिनट चली द्विपक्षीय बातचीत और उसके बाद दोनों नेताओं का एक ही कार में भारत मंडपम पहुंचना उस भरोसे का संकेत है जिसने दशकों पुराने भारत-रूस संबंधों को बदलती विश्व व्यवस्था में भी मजबूती से टिकाए रखा है।

हम आपको बता दें कि इस वर्ष दोनों नेताओं की यह दूसरी बैठक है। बैठक में भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की गई, जिसमें राजनीति, अर्थव्यवस्था, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, कौशल गतिशीलता और जन-जन संपर्क जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल रहे। दोनों नेताओं ने 9 से 11 सितंबर तक पहली बार भारत में आयोजित रूस की अंतरराष्ट्रीय औद्योगिक प्रदर्शनी INNOPROM India का भी दौरा किया और प्रतिभागियों से बातचीत की। इसके अलावा ब्रिक्स में भारत की 2026 की अध्यक्षता, पश्चिम एशिया और काला सागर क्षेत्र के संघर्षों सहित विभिन्न क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने संघर्षों के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति को आगे बढ़ाने की आवश्यकता दोहराते हुए शांति प्रयासों में भारत की भूमिका की पेशकश की। दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी को 24वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस आने का निमंत्रण दिया, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया। सम्मेलन की तारीख आपसी सहमति से राजनयिक माध्यमों के जरिए तय की जाएगी।

साथ ही दिलचस्प और बेहद महत्वपूर्ण बात यह भी है कि रक्षा और रणनीतिक सहयोग के इतने बड़े एजेंडे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज की बातचीत में भी यूक्रेन युद्ध का मुद्दा उठाया और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सामने युद्ध खत्म करने तथा शांति की दिशा में आगे बढ़ने की भारत की स्पष्ट सोच रखी।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि करीब 11 दिन पहले यानि 31 अगस्त को भी किर्गिस्तान के बिश्केक में SCO शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी ने पुतिन से सीधे कहा था कि अब दुनिया को 'अनंत युद्ध' से निकलकर 'युद्ध की समाप्ति' की ओर बढ़ना चाहिए और हर दिन जारी रहने वाला युद्ध मानवता को पीछे धकेलता है।

kSuper Sukhoil से बढ़ेगी वायुसेना की

भारत के लिए दूसरा बड़ा प्रस्ताव करीब 260 र4–30टडकविमानों को kSuper Sukhoil में अपग्रेड करने का है। प्रस्तावित अपग्रेड में अएरअ रडार, आधुनिक avionics, electronic warfare capabilities और नए इंजन शामिल हो सकते हैं। इसके साथ लंबी दूरी तक लक्ष्य भेदने वाली R-37M मिसाइल की क्षमता जुड़ने से भारतीय वायुसेना की सबसे बड़ी लड़ाकू विमान फ्लीट की मारक क्षमता में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी हो सकती है। रूस ने पांच अतिरिक्त S–400 रेजिमेंट का प्रस्ताव भी आगे बढ़ाया है। इसके अलावा S–500 की पेशकश, Pantsir-S1M वायु रक्षा प्रणाली, आधुनिक रडार और रणनीतिक पनडुब्बियों से जुड़े प्रस्ताव भी भारत के सामने रखे गए हैं।

हथियारों से आगे बढ़कर संयुक्त उत्पादन पर जोर

भारत–रूस संबंध अब केवल पारंपरिक हथियार खरीद तक सीमित नहीं दिख रहे हैं। दोनों देश विमानन क्षेत्र में भी buyer-seller मॉडल से आगे बढ़कर संयुक्त विनिर्माण की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। IL–114–300 और Sukhoi Superjet 100 के भारत में निर्माण पर बातचीत, क्षेत्रीय विमानों की संभावित आपूर्ति और HAL तथा रूसी विमानन उद्योग के बीच सहयोग इसी बदलाव के संकेत हैं। सहयोग का दायरा हेलीकॉप्टर, दूरदराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी, आपदा प्रबंधन और सांस्कृतिक आदान–प्रदान तक भी फैल रहा है।

कांग्रेस सरकार में विकास ठप, आर अशोक ने कर्नाटक के 100 दिनों को बताया फ्लॉप

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता और कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने 11 सितंबर को सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने पार्टी पर यू-टर्न सरकार होने का आरोप लगाया और कहा कि वह राज्य भर में बुनियादी ढांचे और कामकाज से जुड़े अहम वादों को पूरा करने में नाकाम रही है। पत्रकारों से बात करते हुए, अशोक ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के कार्यकाल के पहले 100 दिनों के जश्न को फ्लॉप शो बताया और कहा कि इसमें उपलब्धियों की कमी थी और सिर्फ. बहुत ज्यादा प्रचार किया गया।

उन्होंने कहा कि डीके शिवकुमार के 100 दिन कर्नाटक कांग्रेस पार्टी सरकार के लिए एक फ्लॉप शो रहे हैं। यह एक फ्लॉप शो है। यह 'यू-टर्न' लेने वाली सरकार है। टनल रोड - यू-टर्न। 'हम लालबाग का इस्तेमाल नहीं करेंगे' - यू-टर्न। गृह लक्ष्मी 5000 करोड़ का घोटाला - यू-टर्न। ब्रांड बेंगलुरु - यू-टर्न। बेंगलुरु कचरे का ढेर बन गया - यू-टर्न। गड्ढों वाला बेंगलुरु - यू-टर्न। कर्नाटक में कोई सीधी-सादी सरकार नहीं है। कर्नाटक सरकार कंगाल हो चुकी है, पैसे नहीं हैं। कोई विकास नहीं हो रहा है। अशोक ने 100 दिन के जश्न के औचित्य पर सवाल उठाए। उन्होंने वाल्मीकि कॉर्पोरेशन वित्तीय घोटाले के बीच पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे और राज्य विधानसभा में बीजेपी और जनता दल (यूनाइटेड) के विरोध प्रदर्शनों का ज़िक्र किया।

बिहार में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 1,194 सामुदायिक रसोई शुरू, 46.88 लाख आबादी प्रभावित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के 15 ज़िलों में 46 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। शुक्रवार को भी हालात गंभीर बने रहे क्योंकि कई जगहों पर पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य भर में लगातार बारिश और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण नदियाँ और नाले उफान पर हैं। आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी ताजा बुलेटिन के अनुसार, 15 ज़िलों के 88 ब्लॉकों की 561 ग्राम पंचायतों में लगभग 46.88 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

प्रभावित ज़िलों में पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा और अररिया शामिल हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित ज़िलों में भागलपुर, पटना, सारण, वैशाली, बेगूसराय, कटिहार, पूर्णिया और बक्सर शामिल हैं। बिहार मौसम विज्ञान सेवा केंद्र के अनुसार, राज्य में सितंबर में अब तक 90 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य से 20 प्रतिशत ज्यादा है।

अपने ताजा बुलेटिन में, DMD ने बताया कि शुक्रवार सुबह 6 बजे भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा नदी 36.62 मीटर के स्तर पर बह रही थी, जो खतरे के निशान से 2.12 मीटर ऊपर है। पानी का बहाव कम हो रहा है। डूमरिया घाट पर गंडक, बलतारा और कुरसेला में कोसी, खगड़िया में बूढ़ी गंडक, दीघा, गांधी घाट, हाथीदह, भागलपुर, कहलगांव और मुंगेर में गंगा, श्रीपालपुर में पुनपुन, बेनीबाद में बागमती, और दरौली व गंगपुर सिसवन में घाघरा नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है।

बुलेटिन में कहा गया है कि बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए अलग-अलग ज़िलों में कुल 1,194 कम्युनिटी किचन (सामुदायिक रसोई) चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा, 15 राहत कैंप भी चल रहे हैं, जहाँ 11,255 बाढ़ पीड़ितों के लिए रहने, खाने, मेडिकल सुविधा और दूसरी जरूरी सेवाओं का इंतजाम किया गया है। बाढ़ से प्रभावित लोगों के बीच अब तक लगभग 3.10 लाख पॉलीथीन शीट और 48,300 सूखे राशन के पैकेट बांटे जा चुके हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवाजाही के लिए कुल 1,922 नावें चलाई जा रही हैं। साथ ही, अब तक 7,535 क्विंटल पशु चारा भी बांटा गया है।

पश्चिम बंगाल में 15000 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट शुरू

सीएम ने रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम का किया ऐलान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 11 सितंबर को राज्य में विकास की कई अहम योजनाओं के बारे में बताया। इनमें 15,000 करोड़ रुपये का एक प्रोजेक्ट, 600 करोड़ रुपये की अमूल सुविधा और रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम शामिल हैं। यह सिस्टम ऐसी जगहों तक पहुँचने के लिए बनाया गया है जहाँ आम फायर टेंडर नहीं पहुँच पाते। पिछले चार महीनों में हुई प्रगति का ज़िक्र करते हुए अधिकारी ने कहा कि पिछले चार महीनों में हमने कई अहम प्रोजेक्ट देखे हैं; जैसे, गंगोनी में एक प्रोजेक्ट के लिए 700 करोड़ रुपये का बड़ा वादा किया गया था। 15,000 करोड़ रुपये का एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट भी शुरू हो चुका है।

रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम के बारे में उन्होंने कहा कि हम रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम जैसे प्रोजेक्ट्स में तरक्की देख रहे हैं, जो ऐसी जगहों पर काम कर सकते हैं जहाँ बड़ी फायर ट्रक नहीं पहुँच सकतीं। अधिकारी ने अमूल के 600 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने का भी ज़िक्र किया और कहा, 'तीसरा बड़ा प्रोजेक्ट अमूल से जुड़ा है, जिसमें 600 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है।

यूपी की सड़कों पर सीएम योगी का एक्शन, सर्वे कर स्थायी मरम्मत के निर्देश जारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे भारी बारिश और बाढ़ से खराब हुई सड़कों की तुरंत मरम्मत कराएं ताकि उन पर गाड़ियां चल सकें, और जहां जरूरी हो, वहां मॉनसून के मौसम के बाद सड़कों की पक्की मरम्मत की जाए।

11 सितंबर को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने लगातार हो रही बारिश का ज़िक्र किया और सड़कों की हालत पर लगातार नजर रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने हाल ही में खराब हुई सड़कों का सर्वे करने का आदेश दिया ताकि उन हिस्सों की पहचान की जा सके जहां तुरंत मरम्मत की जरूरत है।

आने वाले त्योहारों के मौसम में बड़ी संख्या में यात्रियों के आने की उम्मीद है, इसलिए मुख्यमंत्री योगी ने इस बात पर जोर दिया कि मुख्य रास्तों पर कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा, नवरात्रि, दिवाली, छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा जैसे त्योहारों से पहले मुख्य रास्तों की मरम्मत और नवीनीकरण के काम को प्राथमिकता दें।

मुख्यमंत्री ने साफ किया कि गड्ढा-मुक्त सड़क अभियान सिर्फ. अस्थायी मरम्मत (पैचवर्क) तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। बुरी तरह क्षतिग्रस्त सड़कों को तुरंत चलने लायक बनाया जाना चाहिए और बारिश के बाद उनका स्थायी नवीनीकरण किया जाना चाहिए।

अधिकारियों ने बताया कि सड़कों को नुकसान न केवल ज्यादा बारिश के कारण हुआ है, बल्कि एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे जैसी निर्माण परियोजनाओं से जुड़े भारी वाहनों की आवाजाही के कारण भी हुआ है।

क्षतिग्रस्त हिस्सों की पहचान करने के लिए अलग-अलग विभागों में सर्वे चल रहे हैं और गड्ढों की मरम्मत के लिए लक्ष्य तय किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने राज्य भर में प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत के लिए 681 महत्वपूर्ण रास्तों की पहचान की है। इसमें उन सड़कों पर खास ध्यान दिया गया है जिन पर त्योहारों के दौरान ज्यादा ट्रैफिक न होने की उम्मीद है।

बोले नितिन गडकरी- टोल बूथ पर रुकने का झंझट खत्म, मार्च 2027 तक बदल जाएगी व्यवस्था

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि फास्टैग को पूरी तरह लागू करने से सरकार को हर साल 25,000 करोड़ रुपये तक का फायदा हो सकता है। उन्होंने बताया कि मार्च 2027 तक नेशनल हाईवे के सभी टोल बूथ बिना रुकावट के काम करने लगेंगे। इससे टोल भुगतान आसान और तेज होगा।

गडकरी ने मुंबई में वैश्विक फिनटेक सम्मेलन में कहा कि फास्टैग पूरी तरह लागू होने पर सरकार को हर साल 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये तक का फायदा हो सकता है। उन्होंने बताया कि फास्टैग के कारण टोल से होने वाली कमाई में करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इससे टोल की आय अब 82,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई है।

सरकार को उम्मीद है कि आगे फास्टैग के इस्तेमाल से कमाई और बढ़ेगी। नितिन गडकरी ने बताया कि बिना रुके टोल देने की नई व्यवस्था से टोल की कमाई में 10 फीसदी यानी करीब 7,000 से 8,000 करोड़ रुपये की और बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि टोल बूथ चलाने का खर्च भी काफी घटा है। पहले यह खर्च 12 फीसदी था, जो अब घटकर सिर्फ 2 से 3 फीसदी रह गया है। उन्होंने बताया कि इस साल दिसंबर के अंत तक 70 फीसदी से ज्यादा टोल बूथ बिना रुकावट वाली व्यवस्था में आ जाएंगे। वहीं, अगले साल मार्च (साल 2027) तक देश के सभी टोल बूथ इस व्यवस्था से जुड़ जाएंगे।

इससे गाड़ी के ड्राइवरों को टोल पर रुकने की जरूरत कम होगी और सफर आसान होगा। गडकरी ने कहा कि टोल बूथ पर गाड़ियों के कम रुकने से लोगों का समय बचता है। इसके साथ ही फ्यूल की भी बचत होती है।

'तलाक-ए-हसन' तलाक का वैध तरीका, देश में इस पर कोई प्रतिबंध नहीं, गुवाहाटी उच्च न्यायालय का बड़ा फैसला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने तलाक के पंजीकरण से जुड़ी एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि 'तलाक-ए-हसन' मुस्लिम समुदाय में तलाक का एक वैध जरिया है और मौजूदा समय में देश में इस प्रक्रिया पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यह ऐतिहासिक आदेश न्यायमूर्ति अरुण देव चौधरी की एकल पीठ ने याचिकाकर्ता द्वारा दाखिल की गई रिट याचिका का निपटारा करते हुए पारित किया। अदालत ने एक याचिकाकर्ता को अपने तलाक का पंजीकरण कराने के लिए असम मुस्लिम विवाह एवं तलाक अनिवार्य पंजीकरण अधिनियम, 2024 के तहत बारपेटा क्षेत्र के विवाह एवं तलाक पंजीयक से संपर्क करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति अरुण देव चौधरी ने 'तलाक-ए-हसन' के जरिए दिए गए तलाक के पंजीकरण से संबंधित एक रिट याचिका पर सुनवाई के बाद मंगलवार को यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता के अनुसार, उसकी शादी 2016 में हुई थी। बाद में दोनों के बीच मतभेद पैदा हो गए और उसकी पत्नी ने कथित तौर पर 2018 में अपना ससुराल छोड़ दिया। दोनों के बीच सुलह कराने की कोशिशें भी सफल नहीं हुईं। इसके बाद याचिकाकर्ता ने 22 मार्च, 26 अप्रैल और 27 मई 2026 को तीन अलग-अलग तारीखों पर 'तलाक-ए-हसन' दिया और फिर कानून के तहत तलाक के पंजीकरण के लिए संबंधित प्राधिकारी से संपर्क किया।

याचिकाकर्ता ने दलील दी कि 'तलाक-ए-हसन' पर कोई प्रतिबंध नहीं है और उसने इसकी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार तलाक दिया है। राज्य सरकार ने हालांकि अदालत से कहा कि 1935 के पुराने कानून को निरस्त किया जा चुका है और उसके तहत नियुक्त प्राधिकारी का पद भी समाप्त कर दिया गया है इसलिए उस व्यवस्था के तहत अब तलाक का पंजीकरण नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति चौधरी ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया 'तलाक-ए-हसन', तलाक का वैध तरीका है और मौजूदा समय में देश में इस पर प्रतिबंध नहीं है।

हालांकि, अदालत ने 1935 के कानून के तहत बारपेटा में नियुक्त प्राधिकारी को तलाकनामा पंजीकृत करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया क्योंकि वह कानून निरस्त किया जा चुका है और उसके तहत सृजित पद भी समाप्त कर दिया गया है। अदालत ने याचिकाकर्ता को 2024 के कानून के तहत संबंधित क्षेत्र के विवाह एवं तलाक पंजीयक से संपर्क करने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा कि पंजीयक को यह जांच करनी होगी कि याचिकाकर्ता ने वास्तव में तलाक दिया है या नहीं और उसे उसकी पहचान की पुष्टि करनी होगी। इसके बाद वह तय करेगा कि अधिनियम की धारा 12 के तहत तलाक का पंजीकरण किया जाना है या नहीं। अगर पंजीकरण से इनकार किया जाता है तो याचिकाकर्ता 2024 के अधिनियम की धारा 17 के तहत अपील कर सकता है।

तमिलनाडु के वेल्लोर में निमार्णाधीन चर्च की छत ढही

3 मजदूरों की दर्दनाक मौत और 11 घायल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में गुरुवार रात एक भीषण हादसा हो गया, जहां काटपाडी के पास मंडी कृष्णपुरम स्थित 'चर्च ऑफ साउथ इंडिया' के निमार्णाधीन परिसर में छत की ढलाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। निर्माण कार्य के दौरान अचानक छत का स्लैब और सपोर्ट स्ट्रक्चर ढह जाने से 3 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, फायर सर्विस और अरक्कोणम से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम मौके पर पहुंची और मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए युद्ध स्तर पर राहत व बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारी के अनुसार, घायल मजदूरों को इलाज के लिए एम्बुलेंस से वेल्लोर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल और पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के चित्तूर के एक अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया; इमरजेंसी टीमें निर्माण स्थल पर पहुंचीं और मलबे के नीचे फंसे हो सकने वाले मजदूरों की तलाश शुरू की।

संपादक की कलम

आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

ललित शर्मा
संपादक

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक–दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है–बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पधाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने–परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है। आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना–अर्थात अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने–अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है। संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है–मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है।

विघटनकारी संवैधानिक संरचना: बारूद के ढेर पर बैठा देश

एनके शर्मा
लेखक

भारत का संविधान केवल शासन चलाने का दस्तावेज नहीं, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र का नैतिक-सामाजिक संकल्प है जिसने सदियों की असमानता, छुआछूत, शोषण और वंचना के बीच आधुनिक लोकतंत्र की नींव रखी। उसकी आत्मा में समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता का स्वप्न है। अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, जबकि अनुच्छेद 15 और 16 सामाजिक तथा शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों और पर्याप्त प्रतिनिधित्व से वंचित समूहों के लिए विशेष प्रावधानों की अनुमति देते हैं।

लेकिन आज सबसे असहज प्रश्न यही है कि क्या सामाजिक न्याय के नाम पर चलने वाली व्यवस्था वास्तव में सामाजिक न्याय को मजबूत कर रही है, अथवा समाज को स्थायी खांचों में विभाजित करके राजनीतिक स्वार्थों की नई जमीन तैयार कर रही है?

यह प्रश्न किसी वर्ग, जाति या समुदाय के विरुद्ध नहीं है। यह उस मानसिकता के विरुद्ध है जो नागरिक को पहले मनुष्य नहीं, बल्कि किसी जातिगत खाने, आरक्षण की श्रेणी, वोट-बैंक या राजनीतिक गणित के अंक के रूप में देखती है।

भारत की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं कि समाज में असमानता है; त्रासदी यह है कि असमानता समाप्त करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति कमजोर पड़ती जा रही है और असमानता स्वयं सत्ता की राजनीति का ईंधन बनती जा रही है। जिस व्यवस्था का उद्देश्य कभी सामाजिक सीढ़ी से नीचे धकेले गए व्यक्ति को ऊपर उठाना था, वही व्यवस्था जब पीढ़ी-दर-पीढ़ी राजनीतिक संरक्षण, चुनावी गणित और पहचान की राजनीति का स्थायी औजार बन जाए, तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि हम न्याय कर रहे हैं या विभाजन को संस्थागत रूप दे रहे हैं?

आरक्षण का मूल विचार सामाजिक और ऐतिहासिक वंचना की भरपाई तथा पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने से जुड़ा था। सर्वोच्च न्यायालय ने भी स्पष्ट किया है कि विशेष प्रावधानों का उद्देश्य संरचनात्मक असमानताओं को कम करना और वास्तविक समानता की दिशा में आगे बढ़ना है। इसलिए आरक्षण को पूरी तरह अन्याय कहना उतना ही सतही होगा जितना उसे हर सामाजिक समस्या का स्थायी समाधान मान लेना।

समस्या आरक्षण के अस्तित्व से अधिक उसके राजनीतिक और प्रशासनिक इस्तेमाल की है।

यदि किसी गरीब, वंचित और ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित परिवार के बच्चे को शिक्षा और अवसर का अतिरिक्त सहारा मिलता है, तो वह सामाजिक न्याय की सार्थक अभिव्यक्ति है। लेकिन यदि सामाजिक न्याय की पूरी बहस केवल प्रतिशतों की बोली में बदल जाए-'हमारा कितना?', 'तुम्हारा कितना?', 'किसे कितना?'-तो राष्ट्र निर्माण की जगह सामाजिक हिस्सेदारी की नीलामी शुरू हो जाती है।

फिर प्रतिभा और परिश्रम के प्रश्न पर भी समाज असहज होने लगता है। कोई यह पूछने से डरता है कि अवसरों का वितरण किस वैज्ञानिक आधार पर हो रहा है, वास्तविक वंचित कौन है, लाभ किस तक पहुंच रहा है और क्या एक ही परिवार की लगातार पीढ़ियां समान संरक्षण प्राप्त करती रहेंगी? यह सवाल उठाना किसी समुदाय का अपमान नहीं; बल्कि व्यवस्था को अधिक न्यायपूर्ण बनाने की लोकतांत्रिक आवश्यकता है।

आज भारत के सामने सबसे बड़ा खतरा यह है कि जाति सामाजिक पहचान से आगे बढ़कर राजनीतिक मुद्रा बनती जा रही है। चुनाव आते हैं तो जातियां गिनी जाती हैं, समीकरण बनाए जाते हैं, समुदायों को आश्वासन दिए जाते हैं और सामाजिक न्याय का विमर्श कई बार सत्ता प्राप्ति की रणनीति में सिमट जाता है। परिणाम यह कि जाति समाप्त होने के बजाय राजनीतिक रूप से और अधिक प्रासंगिक हो जाती है। यह कैसी विडंबना है कि एक ओर संविधान जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की दिशा दिखाता है और दूसरी ओर राजनीति कई बार जातिगत पहचान को लगातार पुनर्जीवित करती रहती है। यही वह बिंदु है जहां संवैधानिक संरचना के भीतर तनाव पैदा होता है। संविधान का लक्ष्य समानता है; विशेष प्रावधानों का उद्देश्य वास्तविक समान अवसर उपलब्ध कराना है। दोनों के बीच संतुलन बिगड़ा तो न्याय की जगह प्रतिस्पर्धी असंतोष जन्म ले सकता है।

आरक्षण की संवैधानिक व्यवस्था भी असीमित नहीं है। 1992 के इंद्रा साहनी निर्णय के संदर्भ में केंद्र सरकार ने संसद को बताया है कि अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत आरक्षण के लिए 50 प्रतिशत की सीमा निर्धारित की गई थी; वहीं 103वें संविधान संशोधन के बाद एहर के लिए अनुच्छेद 15(6) और 16(6) के तहत 10 प्रतिशत तक का अलग प्रावधान बनाया गया। लेकिन वास्तविक संकट प्रतिशत का नहीं, दृष्टिकोण का है। जब गुणवत्तापूर्ण सरकारी विद्यालय कमजोर हों, विश्वविद्यालयों में शोध और रोजगार के अवसर अपर्याप्त हों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी महंगी होती जाए, ग्रामीण और गरीब परिवारों के बच्चों को समान शैक्षणिक संसाधन न मिलें और रोजगार सृजन की गति अपेक्षाओं से पीछे हो, तब केवल आरक्षण का प्रतिशत बढ़ा देना समस्या का समाधान नहीं हो सकता। गरीब बच्चे को अच्छी शिक्षा चाहिए। वंचित बच्चे को पोषण चाहिए। प्रतिभाशाली बच्चे को अवसर चाहिए। ग्रामीण बच्चे को डिजिटल और वैज्ञानिक संसाधन चाहिए। युवाओं को रोजगार चाहिए। यदि इन मूल प्रश्नों को छोड़कर पूरा राष्ट्र केवल आरक्षण की सीटों पर लड़ता रहे, तो यह नीति-निर्माण की विफलता का प्रमाण होगा। और इससे भी खतरनाक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब गरीबी को जाति और जाति को गरीबी का पर्याय मान लिया जाता है। वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। आर्थिक पिछड़ापन, शैक्षणिक पिछड़ापन, सामाजिक बहिष्कार, भौगोलिक पिछड़ापन और ऐतिहासिक वंचना-इन सभी की प्रकृति अलग है। एक आधुनिक लोकतंत्र को इन सभी आयामों का वैज्ञानिक आकलन करना होगा। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब सामाजिक न्याय स्वयं सामाजिक संघर्ष का कारण बन जाए। आज आवश्यकता किसी समुदाय से उसका अधिकार छीनने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की है कि अधिकार वास्तव में उस व्यक्ति तक पहुंचे जिसके लिए वह बनाया गया है। क्रीमी लेयर की प्रभावी समीक्षा, लाभ के वास्तविक वितरण का पारदर्शी सामाजिक ऑडिट, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में भारी निवेश, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए व्यापक सहायता और समय-समय पर नीतियों का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन-ये बहस के वास्तविक मुद्दे होने चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि आरक्षण को राजनीतिक अनंतकाल का विषय नहीं बनाया जा सकता। यदि कोई नीति सामाजिक असमानता कम करने के लिए है, तो उसके परिणामों का मूल्यांकन भी होना चाहिए। कितने परिवार ऊपर उठे? कितने बच्चे पहली पीढ़ी के शिक्षित बने? किन क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व बढ़ा? किन समुदायों के भीतर लाभ सीमित परिवारों तक सिमट गया? कौन अब भी सबसे पीछे है? जिस नीति की सफलता मापी ही न जाए, वह नीति धीरे-धीरे व्यवस्था नहीं, परंपरा बन जाती है।

भारत को ऐसी व्यवस्था नहीं चाहिए जिसमें एक बच्चा अपनी उपलब्धि पर गर्व करने के बजाय अपनी जाति बताने को मजबूर हो और दूसरा अपनी असफलता के लिए व्यवस्था को दोष देने लगे। हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें पहचान अवसर का निर्धारक न होकर केवल व्यक्तिगत परिचय रह जाए।

सबसे भयावह स्थिति तब होगी जब समाज का युवा यह विश्वास खो दे कि उसकी मेहनत, प्रतिभा और शिक्षा उसके भविष्य को निर्धारित कर सकती है। जिस दिन मेहनती युवा व्यवस्था पर विश्वास खो देगा, उसी दिन लोकतंत्र की संस्थाओं की नैतिक पूंजी कमजोर होने लगेगी।

नेताओं की मेज पर दुनिया, जनता की मेज पर सवाल

प्रो. आरके जैन
लेखक

दिल्ली इन दिनों राजधानी नहीं, दुनिया की कूटनीति का बड़ा पड़ाव है। सड़कों पर झंडे, होटलों में विदेशी मेहमान और भारत मंडपम में ब्रिक्स का मंच तैयार है। पुतिन पहुंच चुके हैं, शी जिनपिंग आने वाले हैं और मोदी मेजबान हैं। कैमरे मुलाकात दर्ज करेंगे, दुनिया नतीजे देखेगी। उम्मीद है, पुतिन-शी-मोदी की बैठक ब्रिक्स को नई दिशा देगी। लेकिन दिशा की परीक्षा मंजिल पर होती है। सवाल यह नहीं कि कितनी देर बैठक होगी या कितनी तस्वीरें आएंगी; सवाल है कि बंद कमरे का फैसला उस आदमी तक कब पहुंचेगा, जो तेल का भाव सुनकर जेब टटोलता है। क्या महंगाई को राहत मिलेगी, ऊर्जा संकट का रास्ता निकलेगा या फिर एक चमकदार बयान ही आएगा? इस त्रिकोण की अहमियत है कि तीनों देशों के हित अलग हैं। रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है, चीन सीमाओं और व्यापारिक विस्तार में व्यस्त है, जबकि भारत दोनों से रिश्ते निभाते हुए स्वतंत्र राह तलाश रहा है। गलवान की कड़वी स्मृति के बाद करीब सात साल में शी जिनपिंग का दिल्ली आना सामान्य यात्रा नहीं है। यह भरोसे की वापसी है, मजबूरी या रणनीतिक जरूरत-समय बताएगा। उधर ईरान युद्ध ने पश्चिम एशिया को अस्थिर कर दिया है और कच्चा तेल सौ डॉलर प्रति बैरल के पार है। दुनिया महंगाई की चक्की में पिस रही है। ऐसे में ब्रिक्स की मेज पर 'सहयोग', 'बहुपक्षवाद' और 'ग्लोबल साउथ' जैसे शब्द ही गूंजते रहे, तो पेट्रोल सस्ता नहीं होगा। जनता को नारे नहीं, नतीजे चाहिए।

ब्रिक्स अब पांच देशों का पुराना क्लब नहीं रहा। ग्यारह सदस्य और पार्टनर देश जुड़ चुके हैं। दायरा बढ़ा है तो चुनौतियां भी बढ़ी हैं। खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और सप्लाई चेन बड़े सवाल हैं, क्योंकि युद्ध की मार सीमा से निकलकर खेत, कारखाने, रसोई और बाजार तक पहुंचती है। इतने देशों में सहमति आसान नहीं। ईरान और यूएई के मतभेद इसका उदाहरण हैं। साझा बयान बन सकता है, साझा रास्ता कठिन है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स पश्चिम-विरोधी गुट नहीं, पूरक शक्ति बने। अमेरिका से रिश्ते भी रखने हैं और रूस-चीन से संवाद भी। भारत की कूटनीति इसी रस्सी पर है-दुनिया तालियां भी बजा रही है और हर कदम का हिसाब भी रख रही है।

इस सम्मेलन की कीमत दिल्ली का आम नागरिक चुका रहा है। सड़कें बंद हैं, ट्रैफिक थमा है, मेट्रो में भीड़ है और करीब पंद्रह हजार पुलिसकर्मी तैनात हैं। सुरक्षा जरूरी है, लेकिन मेहमानों के स्वागत में मेजबान की राह बंद हो तो सवाल उठता है। महंगाई और बारिश के बीच आम परिवार पहले ही परेशान हैं। पोषण माह में बच्चों के स्वास्थ्य की बात हो रही है, पर महंगाई में पौष्टिक भोजन जुटाना भी मुश्किल है। ब्रिक्स की सफलता तभी होगी, जब इसकी गूंज टीवी से निकलकर गांव की चौपाल, किसान के खेत, मजदूर की थाली और मध्यमवर्ग की रसोई तक पहुंचे। वरना मंच चमकेगा, जनता की जिंदगी नहीं।

पुतिन के साथ रक्षा सहयोग भारत-रूस रिश्तों की ताकत है। ब्रह्मोस, सुखोई और एस-400 सिर्फ हथियार नहीं, सामरिक रिश्तों की पहचान हैं। भारत आत्मनिर्भर बनना चाहता है, लेकिन इसका मतलब सिर्फ देश में उत्पादन नहीं, संकट में किसी एक देश पर जरूरत से ज्यादा निर्भर न रहना भी है। रूस से सहयोग बढ़ाते हुए देखना होगा कि निर्भरता घट रही है या रूप बदल रही है। शी जिनपिंग से बातचीत और संवेदनशील है। सीमा विवाद और व्यापार घाटे पर मुस्कान नहीं, स्पष्टता चाहिए। गलवान के बाद हाथ मिलाना अच्छी तस्वीर है, लेकिन रिश्ते तभी सुधरेंगे जब सीमा पर भरोसा और व्यापार में संतुलन दिखे।

मौसम ने भी याद दिला दिया है कि दुनिया की समस्याएं सिर्फ राजधानियों में नहीं सुलझतीं। देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट है और चक्रवातों का खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन ब्रिक्स के एजेंडे में सिर्फ औपचारिकता नहीं, ठोस कार्रवाई बनना चाहिए। प्रकृति भाषण नहीं सुनती। बाढ़ आती है तो गरीब का घर उजड़ता है, किसान की फसल डूबती है और राहत की सबसे ज्यादा जरूरत उसी को होती है। खाद्य सुरक्षा की बात हो तो किसान तक मदद पहुंचे, ऊर्जा सुरक्षा की चर्चा हो तो तेल संकट में विकासशील देशों को राहत मिले और आपदा प्रबंधन की सहमति चेतावनी को समय पर राहत में बदले। वरना फाइलें मोटी होती रहेंगी, संकट नहीं घटेगा। यहीं भारत की असली परीक्षा है। रूस से मित्रता, चीन की चुनौती और अमेरिका से रणनीतिक रिश्ते-तीनों साधने हैं। साथ ही ब्रिक्स को किसी एक खेमे का औजार बनने से रोकना है। भारत रूस-चीन के बीच संवाद का पुल बने, ऊर्जा और खाद्य संकट पर व्यावहारिक सहयोग जुटाए और अपने हित स्पष्ट रखते हुए सभी से रिश्ते साधे, तभी ब्रिक्स की नई दिशा उसकी कूटनीतिक उपलब्धि होगी। लेकिन पुल की विडंबना है-सब उस पर से गुजरते हैं, वह दो किनारों के बीच खड़ा रहता है। भारत को सिर्फ पुल नहीं, अपनी जमीन भी मजबूत करनी है। यही बैठक की सबसे कठिन कसौटी है।

फैसला मंच की चमक नहीं, उसका असर करेगा। पुतिन आए, शी आए, मोदी ने स्वागत किया, कैमरे चमके-इतना इतिहास नहीं बनाता। इतिहास वे फैसले याद रखता है, जो जिंदगी बदलते हैं। ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ की मजबूत आवाज बनना है तो व्यापार आसान, ऊर्जा संकट का हल, खाद्य सुरक्षा को किसान-उपभोक्ता से जोड़ना, सप्लाई चेन मजबूत करना और भारत-चीन सीमा विवाद व व्यापार घाटे पर ठोस कदम जरूरी हैं। दिल्ली सज चुकी है, दुनिया की नजर मंच पर है। अब देखना है-मंच से उतरते समय हाथ में बयान होंगे या बदलाव? अगर हालात वही रहे और शब्द बदल गए, तो यह भी उन सम्मेलनों में जुड़ जाएगा, जहां नारे बहुत लगे, मगर पेट की आग नहीं बुझी। उम्मीद है, इस बार इतिहास तस्वीर नहीं, परिणाम याद रखे।

जब रिश्ता आँसू देने लगे

किशन भावनानीं

कविता

रिश्ता वो है जो दर्द में भी मुस्कान दे जाए,
गिरते हुए इंसान को फिर से उठना सिखाए।
मगर जब अपना ही हर पल आँसू दे जाए,
तो समझो रिश्ते की गर्माहट कहीं खो जाए।

जहाँ अपनापन हो, वहाँ दिल को सुकून मिलता है,
टूटे हुए मन को जीने का जुनून मिलता है।
पर जब वही रिश्ता दर्द का कारण बन जाए,
तो हर खुशी का रास्ता भी वीरान हो जाए।

रिश्ते विश्वास से बनते हैं, दिखावे से नहीं,
दिल जुड़ते हैं प्रेम से, किसी बहाने से नहीं।
जब भरोसा ही बार–बार घायल होने लगे,
तो रिश्ता धीरे–धीरे खुद से ही दूर होने लगे।

हर रिश्ता उम्रभर चले, यह जरूरी तो नहीं,
हर अपना जिंदगीभर अपना रहे, जरूरी तो नहीं।
कुछ रिश्ते सबक देकर राह बदल जाते हैं,
और कुछ यादों में रहकर दिल को समझाते हैं।

जब आँसू पोंछने वाला ही आँसू देने लगे,
जब अपना ही दिल को हर रोज छलने लगे।
किशन तब छोड़ देना भी कभी–कभी सही फैसला है,
क्योंकि खत्म हुआ रिश्ता नहीं, एक दर्द का सिलसिला है।

जल बचाने की मुहिम में जनभागीदारी जरूरी

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

भारत में पानी की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। कई इलाकों में भूजल स्तर नीचे जा रहा है, तालाब और कुएं सूख रहे हैं तथा खेती और पीने के पानी के लिए भूजल पर निर्भरता बढ़ रही है। ऐसे समय में पानी बचाने की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं हो सकती। इसमें आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है। इसी सोच के साथ 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान शुरू किया गया है।

6 सितंबर 2024 को शुरू किए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बारिश के पानी को बचाना, भूजल स्तर बढ़ाना और स्थानीय स्तर पर पानी के स्रोतों को मजबूत करना है। इसके तहत कम खर्च में जल संरक्षण की संरचनाएं बनाने, पुराने और बंद पड़े नलकूपों को फिर से उपयोगी बनाने तथा स्थानीय जरूरत के अनुसार जल संरक्षण के उपाय करने पर जोर दिया जा रहा है।

इस अभियान की खास बात यह है कि इसमें सरकार के साथ आम जनता, पंचायतें, सामाजिक संगठन और कंपनियां भी जुड़ सकती हैं। इसका आधार तीन 'सी' हैं-समुदाय, कंपनियों का सामाजिक दायित्व और लागत। यानी समुदाय की भागीदारी, कंपनियों की सामाजिक जिम्मेदारी और कम खर्च में जल संरक्षण। इससे जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना न बनाकर जन-अभियान बनाने की कोशिश की जा रही है।

इस दिशा में बड़ी संख्या में जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गई हैं। पहले चरण के तहत मई 2025 तक देश में 27 लाख से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गईं। इसके बाद जून 2025 में दूसरा चरण शुरू किया गया। मई 2026 तक डेढ़ करोड़ से अधिक भूजल पुनर्भरण संरचनाएं बनाई जा चुकी थीं। 3 सितंबर 2026 तक यह संख्या एक करोड़ 58 लाख से अधिक हो गई। यह आंकड़ा बताता है कि देश में जल संरक्षण को बड़े स्तर पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

लेकिन केवल संरचनाएं बना देना ही काफी नहीं है। उनका सही स्थान पर बनना, नियमित रखरखाव और सही उपयोग भी जरूरी है। यदि बारिश का पानी इन संरचनाओं तक पहुंचे ही नहीं या कुछ वर्षों बाद वे मिट्टी और कचरे से भर जाएं तो उनका उद्देश्य पूरा नहीं होगा। इसलिए स्थानीय लोगों को इनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी लेनी होगी।

भारत में पानी बचाने की परंपरा पहले से रही है। गांवों में तालाब, कुएं, बावड़ियां, जोहड़ और छोटे बांध लोगों की जरूरत पूरी करते थे। हरियाणा और राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में आज भी पुराने जल स्रोत इसकी याद दिलाते हैं। आधुनिक विकास के दौरान हमने इन स्रोतों की उपेक्षा की और भूजल का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल शुरू कर दिया। अब समय है कि पुरानी समझ को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ा जाए।

इसी उद्देश्य से जल संचय जन भागीदारी को 'वर्षा जल संचयन' अभियान से भी जोड़ा गया है। जून 2026 में इसे 'जल शक्ति अभियान-वर्षा जल संचयन' के साथ मिलाकर नया रूप दिया गया। इसका सीधा संदेश है-बारिश की हर संभव बूंद को व्यर्थ बहने से रोकना और उसे जमीन में पहुंचाना।

जल संकट का एक बड़ा कारण खेती में पानी का अधिक इस्तेमाल भी है। कई किसान ऐसी फसलें उगाते हैं जिनमें बहुत अधिक पानी लगता है। भूजल निकालने के लिए लगातार नलकूप चलाए जाते हैं। इससे जमीन के नीचे का पानी तेजी से कम होता है। इसलिए पानी बचाने के लिए फसल विविधता, बूंद-बूंद सिंचाई, फुहार सिंचाई और कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देना जरूरी है।

जल संरक्षण में ग्राम पंचायतों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो सकती है। हर गांव अपना 'जल बजट' तैयार कर सकता है। इसमें यह देखा जाए कि गांव में सालभर में कितना पानी आता है, कितना पानी खेती और घरों में खर्च होता है और कितना पानी जमीन में वापस पहुंचाया जा सकता है। इससे लोगों को अपने क्षेत्र में पानी की वास्तविक स्थिति समझने में मदद मिलेगी। विद्यालय और महाविद्यालय भी इस काम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों को केवल किताबों में जल संरक्षण पढ़ाने के बजाय विद्यालय परिसर में वर्षाजल संचयन, पौधारोपण और पानी की बचत की व्यवस्था करनी चाहिए। बच्चों के माध्यम से पानी बचाने का संदेश घरों तक भी पहुंच सकता है। 1 और 2 सितंबर 2026 को हुए जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय सम्मेलन में भी केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया। जल संरक्षण के साथ जल जागरूकता, प्रशिक्षण, राज्यों के बीच अनुभव साझा करने और पानी से जुड़े सही आंकड़े तैयार करने की जरूरत पर भी चर्चा हुई। यह जरूरी है, क्योंकि पानी की समस्या हर राज्य और हर क्षेत्र में एक जैसी नहीं है। कहीं बाढ़ की समस्या है तो कहीं सूखे की। जल संरक्षण को सफल बनाने के लिए सबसे जरूरी है कि लोगों की सोच बदले। नल खुला छोड़ना, बारिश के पानी को नालियों में बहने देना, तालाबों पर कब्जा करना और भूजल का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करना बंद करना होगा। पानी को असीमित संसाधन मानने की सोच बदलनी होगी।

जल संचय जन भागीदारी की असली सफलता केवल इस बात से तय नहीं होगी कि कितनी संरचनाएं बनाई गईं। सफलता तब होगी जब तालाबों में पानी लौटे, भूजल स्तर सुधरे, किसानों की पानी पर निर्भरता कम हो और आम लोग पानी बचाने को अपनी जिम्मेदारी समझें। भारत में जल सुरक्षा केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है। सरकार दिशा और संसाधन दे सकती है, लेकिन पानी बचाने की आदत समाज को खुद विकसित करनी होगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

बदनौली जाने से रोके गए यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम

पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने रोका, एक करोड़ मुआवजा व सरकारी नौकरी की मांग

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। ग्राम बदनौली में मृतक दीपक कुमार के पीड़ित परिवार से मुलाकात करने पहुंचे उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम को शुक्रवार को पुलिस प्रशासन ने गांव जाने से रोक दिया। उनके साथ कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।शुक्रवार को राजेंद्र पाल गौतम के हापुड़ पहुंचने पर जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी बुलंदशहर रोड स्थित सोना पेट्रोल पंप पर अपने वाहनों के साथ एकत्रित हुए। यहां से कांग्रेस नेताओं का काफिला ग्राम बदनौली के लिए रवाना होना था, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें आगे जाने से रोक दिया।इस दौरान कांग्रेस नेताओं और पुलिस प्रशासन के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। बताया गया कि पुलिस प्रशासन कुराना टोल टैक्स पर भी सुरक्षा व्यवस्था के साथ तैनात था, जहां कांग्रेस नेताओं को बदनौली जाने से रोकने की तैयारी की गई थी।यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने पुलिस प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवार से मुलाकात नहीं करने देने पर सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता शांतिपूर्वक पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे। पीड़ित परिवार से मिलना कोई अपराध नहीं है। उन्होंने प्रदेश सरकार से पीड़ित परिवार को न्याय, सुरक्षा एवं उचित मुआवजा देने तथा घटना में शामिल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा, परिवार की सुरक्षा, न्याय तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि प्रदेश में लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कांग्रेस नेता संवैधानिक तरीके से पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे, लेकिन उन्हें मिलने से रोका गया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंताजनक बताया।वहीं, कांग्रेस नेताओं के बदनौली पहुंचने की सूचना के बाद पुलिस प्रशासन द्वारा कुछ कांग्रेस नेताओं को उनके आवास पर ही नजरबंद किए जाने की बात भी सामने आई। इनमें पूर्व धौलाना विधानसभा प्रत्याशी पंडित अरविंद शर्मा सहित अन्य नेता शामिल बताए गए।ये नेता रहे मौजूद सहारनपुर सांसद इमरान मसूद, यूपी कांग्रेस के सह प्रभारी संजीव आर्या, पूर्व विधायक गजराज सिंह, पूर्व अमरोहा लोकसभा प्रत्याशी सचिन चौधरी, पूर्व धौलाना विधानसभा प्रत्याशी पंडित अरविंद शर्मा, पूर्व शहर अध्यक्ष दिनेश चंद शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष मिथुन त्यागी,नगर अध्यक्ष पिलखुआ रजनीश त्यागी, डॉक्टर वीसी शर्मा, रामप्रसाद जाटव, सीमा शर्मा, वाईके शर्मा, आईसी शर्मा, सुशील शास्त्री, चौधरी मुरसलीन, लाल बहादुर, पदम सिंह साहनी, सेंसरपाल सिंह, पूरनमल आनंद, अरुण चौधरी, गौरव गर्ग, रश्मि चौधरी, सोनू अब्बासी, कादिर अली, पवन कौशिक, मोहम्मद परवेज, एडवोकेट फुरकान, एडवोकेट गुलफाम सैफी, सौरभ शर्मा, देवेंद्र कुमार, वसीम अकरम, विनोद कुमार, सचिन कुमार, मनोज कौशिक, दीपक मोघे, निसार पठान, कुसुम लता, रईस अन्नू, संदीप कुमार, मोहम्मद नफीस, अनस, बॉबी त्यागी, सुधीर शर्मा, सौरभ शर्मा, सुशील शर्मा, आदेश शर्मा, रामलाल आर्य, डॉक्टर फराहीम, जयपाल सिंह, आमिर मलिक, डालचंद सिंह, कपिल शर्मा, गोपाल भारती, महबूब अली सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खाद्य विभाग की छापेमारी, मावा-बर्फी के सैंपल लिए

त्योहारों से पहले एक्शन में खाद्य विभाग, मोबाइल लैब से मिठाइयों की जांच

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। नहटौर त्योहारों और आम दिनों में लोगों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री मिले, इसके लिए खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग लगातार अलर्ट पर है। इसी क्रम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के निर्देश पर विभाग की टीम ने नगर के व्यस्त हल्दौर चौराहे पर मिठाई की दुकानों से सैंपल लेकर मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब में जांच की प्राप्त समाचार के अनुसार फूड इंस्पेक्टर रेनू सिंह के नेतृत्व में विभाग की टीम फूड सेफ्टी वैन (मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब) के साथ इलाके की चार प्रमुख मिठाई दुकानों पर अचानक जांच करने पहुंची। अचानक हुई इस कार्रवाई से इलाके के अन्य दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई के दौरान टीम विशेष रूप से तैयार की गई 'फूड सेफ्टी वैन' लेकर पहुंची थी इस मोबाइल लैब की मदद से टीम ने दुकानों पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों की शुरूआती स्तर पर मौके पर ही क्वालिटी चेक की। इसके साथ ही मिलावट की आशंका के चलते मिठाइयों- विशेषकर मावा, बर्फी, छेना आधारित मिठाइयों और बेसन के लड्डू के विस्तार से सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए। मीडिया को जानकारी देते हुए फूड इंस्पेक्टर रेनू सिंह ने बताया कि आम लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि वे केवल अच्छी क्वालिटी और साफ-सुथरी सामग्री का ही इस्तेमाल करें। साथ ही मिठाइयों को मक्खी, मच्छर और धूल से बचाने के लिए हमेशा ढककर रखने के निर्देश भी दिए।

दर्दनाक हादसा: सड़क किनारे खाना खा रहे पंजाब के तीन सिख युवकों को कार ने रौंदा, मौत

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। नजीबाबाद हरिद्वार-काशीपुर हाईवे पर सरवनपुर तिराहा के पास देर रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में पंजाब के तीन सिख युवकों की मौत हो गई। तीनों युवक हाईवे की पटरी पर बैठकर खाना खा रहे थे, तभी पीछे से आई तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान अर्शदीप सिंह निवासी फिरोजपुर, गगनदीप सिंह निवासी पटियाला और मनदीप सिंह निवासी पंजाब के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार तीनों युवक पिकअप वाहन में घोड़े लेकर पीलीभीत से पंजाब की ओर जा रहे थे। रास्ते में सरवनपुर तिराहा पर रुककर वे सड़क किनारे खाना खाने लगे। इसी दौरान हादसा हो गया। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर कार को कब्जे में ले लिया है। आरोपी चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश के लिए टीम गठित की गई है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है और पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है।

धौलाना-मसूरी रोड पर बड़ा हादसा टला, सड़क पर गिरे कई बिजली के खंभे

बारिश और तेज हवा के बीच खंभे गिरने से यातायात ठप, दोनों ओर लगा लंबा जाम

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

धौलाना/हापुड़। निमार्णाधीन धौलाना-मसूरी रोड पर शुक्रवार दोपहर उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब तेज हवा और बारिश के बीच सड़क किनारे लगे बिजली के कई खंभे एक के बाद एक सड़क पर गिर पड़े। खंभों के साथ बिजली के तार भी सड़क पर फैल गए, जिससे मार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। गनीमत रही कि इस दौरान कोई वाहन या राहगीर खंभों की चपेट में नहीं आया और जनहानि होने से बच गई प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुक्रवार दोपहर अचानक मौसम खराब हो गया और तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान निमार्णाधीन धौलाना-मसूरी रोड के किनारे लगे बिजली के कई खंभे अचानक सड़क की ओर गिरने लगे। कुछ ही देर में कई खंभे सड़क पर आ गिरे और बिजली के तार भी मार्ग पर फैल गए। इससे सड़क से गुजर रहे वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई।खंभे गिरने के बाद धौलाना-मसूरी रोड पर दोनों ओर यातायात रुक गया और वाहनों की लंबी कतार लग गई। बारिश के बीच जाम में फंसे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। निमार्णाधीन सड़क के कारण पहले से प्रभावित यातायात व्यवस्था खंभे गिरने से और अधिक बिगड़ गई।सूचना मिलते ही थाना धौलाना प्रभारी अवनीश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने यातायात व्यवस्था संभालते हुए सड़क पर गिरे खंभों और तारों को हटवाने का काम शुरू कराया।

जेसीबी और स्थानीय लोगों की मदद से खंभों को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद मार्ग पर यातायात सुचारू कराया गया।थाना धौलाना प्रभारी अवनीश शर्मा ने बताया कि बिजली के खंभे सड़क पर गिरने के कारण कुछ समय के लिए जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और खंभों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है और स्थिति सामान्य है। बारिश और तेज हवा के दौरान निमार्णाधीन मार्ग पर बिजली के खंभों के गिरने की घटना ने सड़क किनारे सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि पुलिस की तत्परता के चलते सड़क को जल्द साफ करा दिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

बदनौली हत्याकांड में हापुड़ नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, बाल अपचारी समेत दो गिरफ्तार

हापुड़ (वेलकम इंडिया)। ग्राम बदनौली निवासी दीपक हत्याकांड के मामले में थाना हापुड़ नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक बाल अपचारी समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में जितेन्द्र उर्फ जितेन्द्र पुत्र अमरपाल निवासी ग्राम बदनौली, थाना हापुड़ नगर तथा एक बाल अपचारी शामिल है।पुलिस के मुताबिक, इस घटना में पूर्व में 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा एक बाल अपचारी समेत दो नामजद अभियुक्तों को 11 सितंबर 2026 को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 02 अभियुक्तों द्वारा आत्मसमर्पण किया जा चुका है। इस प्रकार प्रकरण में अब तक कुल 09 अभियुक्तों को पुलिस द्वारा निरुद्ध कराया जा चुका है। थाना हापुड़ नगर पुलिस ने बताया कि शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। मामले में पुलिस द्वारा अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना हापुड़ नगर के उपनिरीक्षक/पुलिसकर्मी शामिल रहे।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार परिवार को मारी टक्कर, माता-पिता समेत दो बच्चे गंभीर घायल

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/पिलखुआ/धौलाना। धौलाना-पिलखुआ मार्ग पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार एक परिवार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार माता-पिता और उनके दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर जा गिरी और चारों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, नारायणपुर निवासी एक परिवार शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे बाइक से धौलाना-पिलखुआ मार्ग से जा रहा था। बताया गया कि कोका-कोला कंपनी के पास पहुंचते ही पीछे से तेज गति से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपती और उनके दोनों बच्चे आदित्य व अमन गंभीर रूप से घायल हो गए।हादसा होते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास मौजूद राहगीरों और लोगों ने तत्काल घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चारों घायलों को बेहतर उपचार के लिए सरकारी अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे में दोनों बच्चों को भी गंभीर चोटें आने की जानकारी सामने आई है। सूचना मिलते ही धौलाना थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। थाना प्रभारी अवनीश कुमार के निर्देशन में पुलिस ने घायलों को समय से उपचार दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हादसे की जानकारी जुटाई तथा मार्ग पर बाधित यातायात को सुचारु कराया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल कार और उसके चालक के संबंध में जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को हादसे का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस की जांच के बाद ही दुर्घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।एक ही परिवार के चार लोगों के घायल होने की सूचना मिलते ही उनके स्वजन अस्पताल पहुंच गए। बच्चों के घायल होने की जानकारी से परिवार में चिंता का माहौल बना हुआ है। फिलहाल चिकित्सकों की निगरानी में घायलों का उपचार किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाने की अपील की है।

चाकू से जानलेवा हमले के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त अवैध चाकू भी किया बरामद

हापुड़ (वेलकम इंडिया)। अपराधों की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर प्रभारी सुरेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम रामपुर निवासी दीपक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में नामजद एवं वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध चाकू भी बरामद किया।पुलिस के अनुसार, थाना हापुड़ नगर में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 529/2026, धारा 352, 109(1), 351(3) बीएनएस एवं 3(2) एससी/एसटी एक्ट में वांछित अभियुक्त की तलाश की जा रही थी। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए फरमान पुत्र असलम, निवासी पुरानी चुंगी, कोटला मेवातियान, थाना हापुड़ नगर, जनपद हापुड़ को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रमेशचन्द्र गौतम, उपनिरीक्षक शोभित शाह, हेड कांस्टेबल विजय प्रताप सिंह एवं कांस्टेबल नोनीहाल सिंह शामिल रहे।

विप्र एकता मंच ने कैंसर पीड़ित के लिए बढ़ाया मदद का हाथ

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। बाबागंज क्षेत्र के रायगढ़-कुटलिया गांव निवासी कैंसर पीड़ित लालता प्रसाद पांडेय का कच्चा मकान लगातार बारिश के चलते ढह गया। आशियाना उजड़ने से परिवार के सामने रहने और गृहस्थी चलाने का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। परिवार की दयनीय स्थिति की जानकारी मिलने पर विप्र सेवा सुरक्षा एवं एकता मंच ने मदद के लिए पहल की। मंच की अपील पर 70 दानदाताओं ने सीधे पीड़ित परिवार के खाते में 40 हजार रुपये से अधिक की सहयोग राशि भेजी। आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवार के लिए यह सहयोग बड़ी राहत माना जा रहा है। शुक्रवार को मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी स्थिति की जानकारी ली और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान विजय कुमार द्विवेदी, चंद्रकांत द्विवेदी, योगेश पांडेय, आदर्श शुक्ला, अंकित मिश्रा, तनुज पांडेय, प्रिंस प्रशांत, अभिनव शुक्ला, विनीत शुक्ला, आकाश द्विवेदी, डीएम पांडेय, चंचल, हिमांशु पांडेय, शशांक शुक्ला इशू आदि मौजूद रहे। महज दो महीने पहले गठित हुआ विप्र सेवा सुरक्षा एवं एकता मंच लगातार जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए आगे आ रहा है। मंच का कहना है कि विपदा की घड़ी में किसी जरूरतमंद को अकेला महसूस न होने देना ही सेवा का वास्तविक उद्देश्य है। मंच ने सहयोग करने वाले सभी 70 दानदाताओं और सदस्यों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सेवा, सुरक्षा और एकता के संकल्प के साथ जरूरतमंदों की मदद का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

आस्था और सेवा का संगम धामपुर गुरुद्वारे में मनाया गया बीबी इंद्रजीत कौर जी का पावन स्मृति दिवस

निष्ठा और समर्पण की मिसाल बीबी इंद्रजीत कौर जी की स्मृति में विशेष दीवान सजा, विशाल लंगर के साथ हुआ समापन

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। धामपुर गुरु घर के कार्यों और कार्यक्रमों में जीवन भर समर्पित योगदान देने वाली आध्यात्मिक क्षेत्र की शख्सियत स्वर्गीय बीबी इंद्रजीत कौर जी का पावन स्मृति दिवस गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में श्रद्धापूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर बुलंदशहर से पधारे गुरवाणी विचारक ज्ञानी हरभजन सिंह ने गुरवाणी विचारों के माध्यम से गुरु घर की समर्पित सेविका स्वर्गीय बीबी इंद्रजीत कौर द्वारा गुरु घर के प्रति प्रदर्शित की गई निष्ठा सेवा और समर्पित भावना की बिंदुवार विस्तार से चर्चा की गुरुद्वारा के दीवान हाल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुद्वारा की प्रबंध समिति के संरक्षक सरदार कुलदीप सिंह मोंगा के परिवार की ओर से चल रहे श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के तीन दिवसीय अखंड पाठ को पूर्णता दिलाते हुए किया गया। तीन दिवसीय अखंड पाठ में मोंगा परिवार की संरक्षक राजेंद्र कौर मोंगा, गुरु घर के लांगरी सरदार देवेंद्र सिंह मोंगा एवं बीबी हरजीत कौर मोंगा, मुख्य आयोजक कुलदीप सिंह मोंगा, सरदार सुरेंद्र सिंह मोंगा एवं बीबी मनजीत कौर मोंगा, सरदार सरबजीत सिंह मोंगा एवं परविंदर कौर मोंगा, सरदार सिमरनजीत सिंह मोंगा आदि का समर्पित योगदान रहा गुरु महाराज के वजीर ज्ञानी रघुवीर सिंह ने अपने सहयोगी तबला वादक सरकार भूपेंद्र सिंह खालसा तथा चावला परिवार के संरक्षक सरदार सुरजीत सिंह चावला के सहयोग से गुरुवाणी के अमोलक कीर्तन द्वारा संगत को निहाल किया। कार्यक्रम में गुरुद्वारा की प्रबंध समिति के अध्यक्ष सरदार अमरजीत सिंह एडवोकेट ने आध्यात्मिक क्षेत्र की शख्सियत बीबी इंद्रजीत कौर जी के कार्यों की विस्तार से चर्चा करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा पाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की सफलता में गुरुद्वारा की प्रबंध समिति के सभी प्रमुख पदाधिकारियों एवं सदस्यों, सभी मोंगा परिवारों एवं अनेक गुरुमुख परिवारों का समर्पित सहयोग रहा। कार्यक्रम का समापन गुरुद्वारा की प्रबंध समिति के संरक्षक सरदार कुलदीप सिंह मोंगा के समूचे परिवार की ओर से आयोजित विशाल लंगर से किया गया।

मुरादाबाद में शिवसेना की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक, हर जिले में 10 हजार सदस्य बनाने का लियास लक्ष्य

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। शुक्रवार को शिवसेना की पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रदेश कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली रोड स्थित ग्लैक्सी बैंक्विट हॉल में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के साथ मंडल प्रमुखों ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान संगठन विस्तार और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में शिवसेना के प्रदेश प्रमुख ललित मोहन शर्मा के नेतृत्व में दिए गए सदस्यता अभियान को गति देने के निदेर्शों पर पदाधिकारियों ने मंथन किया गया । तय किया गया कि 31 दिसंबर 2026 तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में 10 हजार सदस्य बनाने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। मण्डल प्रमुख गुड्डू सैनी, जिला प्रमुख नन्हे चौधरी सहित महानगर प्रमुख, मंडल प्रभारी और प्रदेश कमेटी के सदस्य अभियान को सफल बनाने के लिए जुटेंगे। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी पार्टी की तैयारियों पर चर्चा हुई। प्रदेश प्रमुख ललित मोहन शर्मा ने बताया कि शिवसेना गठबंधन के तहत चुनाव लड़ेगी और प्रत्येक जिले में एक सीट पर मजबूती के साथ प्रत्याशी उतारने की तैयारी है। प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। कई नाम पार्टी के स्तर पर विचाराधीन हैं, जबकि अंतिम निर्णय वरिष्ठ नेतृत्व और शिंदे जी के निर्देश के बाद लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी आगामी चुनाव में भ्रष्टाचार और अराजकता के खिलाफ लड़ाई को प्रमुख मुद्दा बनाएगी। इसके साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एम्स की स्थापना और हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर भी आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर जल्द ही सड़क पर उतरने का कार्यक्रम तय किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश, बिट्टू सुखेड़ा प्रदेश महासचिव, राजकुमार गिरी प्रदेश सचिव, बाबा कुशाल सिंह प्रदेश राज्य, प्रचारक रितुल शर्मा आई टी सेल प्रभारी, राजीव कुमार पांडे प्रदेश सचिव, राम प्रसाद प्रजापति प्रदेश सचिव, गुड्डू सैनी मंडल प्रमुख मुरादाबाद, नितिन वर्मा मंडल प्रभारी मुरादाबाद, शरद कपूर मंडल प्रमुख सहारनपुर, संतोष कुमार सिंह मंडल प्रमुख बरेली आदि सहित तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दो वर्ष में चरणबद्ध तरीके से पूरा करें ऋषिकुल के विकास का काम: धामी

ऋषिकुल को आयुर्वेद, योग और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में हरिद्वार स्थित श्री मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान, ऋषिकुल के समग्र विकास के लिए प्रस्तावित मास्टर प्लान की समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष संस्थान के प्रस्तावित स्वरूप और विभिन्न गतिविधियों से संबंधित प्रस्तुतीकरण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकुल को आयुर्वेद, योग और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। संस्थान के विकास में आयुर्वेद, चिकित्सा पर्यटन, योग, ज्योतिष और वैदिक गणित को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष, योग और संस्कृत देवभूमि

उत्तराखंड की प्रमुख पहचान हैं। ऋषिकुल के विकास में राज्य की इस विशिष्ट पहचान को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाना चाहिए। संस्थान में विकसित होने वाली शैक्षणिक गतिविधियां उच्च स्तरीय हों और भारतीय ज्ञान, प्राच्य विद्याओं, आयुर्वेद तथा योग से जुड़े अध्ययन और शोध के लिए उत्कृष्ट वातावरण तैयार किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संस्थान परिसर का वास्तुशिल्प प्राच्य और पारंपरिक स्थापत्य शैली के अनुरूप विकसित किया जाए। भवनों के बाहरी स्वरूप और फसाड में प्राचीन स्थापत्य परंपरा की झलक दिखाई दे,

जबकि परिसर में उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाएं आधुनिकतम हों। उन्होंने कहा कि प्राचीनता और आधुनिकता के संतुलित समन्वय से ऋषिकुल परिसर की अलग पहचान विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हरिद्वार का मां गंगा के कारण धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंचते हैं। ऐसे में ऋषिकुल के विकास की पूरी अवधारणा में हरिद्वार की इस विशिष्ट पहचान को केंद्र में रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान में आने वाले लोगों को भारतीय ज्ञान परंपरा, आयुर्वेद, योग और अध्यात्म की समृद्ध विरासत को जानने और अनुभव करने का अवसर मिलना चाहिए। इसके लिए संस्थान में अध्ययन, शोध और अन्य गतिविधियों को इस प्रकार विकसित किया जाए कि यह देश-दुनिया के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सके।

दो वर्ष में पूरा होगा विकास कार्य

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को परियोजना से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य के लिए स्पष्ट चरण और समय–सीमा निर्धारित की जाए और परियोजना को चरणबद्ध तरीके से दो वर्ष के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कार्यों की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि परियोजना के क्रियान्वयन में अनावश्यक देरी न हो। बैठक में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव धीराज गर्ब्याल, दीपक कुमार, युगल किशोर पंत, रंजना राजगुरू, हरिद्वार–रुड़की विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सोनिका, अपर सचिव अभिषेक रुहेला तथा वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित मौजूद रहे।

ग्राम रोजगार सेवक संघ ने सीएम को सम्बोधित ज्ञापन सदर विधायक को सौंपा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। ग्राम रोजगार सेवक संघ के जिलाध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय के नेतृत्व में रोजगार सेवकों ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित पांच सूत्रीय मांग पत्र सदर विधायक को सौंपा। जिलाध्यक्ष प्रदीप पाण्डेय ने बताया कि 04 अक्तूबर 2021 को मुख्यमंत्री द्वारा की गयी घोषणाएं पूरी की जायें, कैशलेस इलाज से आच्छादित किया जाय, न्यूनतम 24000 रू. मानदेय बढ़ाते हुए भुगतान की प्रक्रिया प्रथम बजट से किया जाय, मृतक आश्रितों के लिए जारी शासनादेश का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय, एचआर पालिसी को लेकर अपनी घोषणा को पूरी कराने का कष्ट करें मांगे शामिल हैं। इस दौरान धर्मेंद्र कुमार, वीरेंद्र यादव, राजन चौधरी, प्रमोद कुमार, विजय प्रताप यादव, बृजेश यादव, विजय कुमार सिंह, बैजनाथ, चन्द्रहास, राकेश चौधरी, रोहित कुमार चौरसिया, राजकुमार गुप्ता, राम नरेश आदि मौजूद रहे।

सेमरियावां ब्लाक क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड बनाने का अभियान तेज, 10 दिन में छूटे लोगों को जोड़ने का लक्ष्य

गलत बने कार्ड में सुधार और मृत लाभार्थियों के कार्ड हटाने की भी होगी प्रक्रिया, स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से तत्काल कार्ड बनवाने की अपील की

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरियावां के अधीक्षक डॉ.सुरेश चन्द्रा ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड बनाने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पात्र लाभार्थियों के कार्ड बनाने के साथ-साथ किसी कारणवश गलत तरीके से बने कार्ड में सुधार तथा आवश्यकतानुसार डिलीट करने की प्रक्रिया भी की जा रही है। इसके लिए 10 दिनों का समय निर्धारित किया गया है। डॉ.सुरेश चन्द्रा ने बताया कि जिन लोगों के आयुष्मान कार्ड में किसी प्रकार की त्रुटि हो गई है,उनका आवश्यक सुधार कराया जाएगा। वहीं, जिन लाभार्थियों की मृत्यु हो चुकी है या किसी अन्य कारण से कार्ड संबंधी

प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है, उनके मामलों को भी अभियान के दौरान दुरुस्त किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग,पंचायत विभाग तथा कोटेदारों का सहयोग लिया जा रहा है। क्षेत्र में एएनएम,आशा संगिनी, सीएचओ, पंचायत सहायक और कोटेदारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

आयुष्मान कार्ड के लिये यह हैं पात्र

सीएचसी अधीक्षक डा. सुरेश चंद्रा ने बताया कि 70 साल या उससे अधिक आयु के लोगों का आयुष्मान कार्ड बनेगा। वर्ष 2019 के पूर्व राशन कार्ड में अगर 6 यूनिट या उससे ज्यादा यूनिट है तो भी आयुष्मान कार्ड बनेगा। फैमिली आईडी सिर्फ परिवार की पहचान है इससे आयुष्मान कार्ड नहीं बन सकता है।

पात्र लोगों से तत्काल कार्ड बनवाने की अपील

सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुरेश चन्द्रा ने सेमरियावां ब्लॉक की जनता से अपील करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र सभी लोग बिना देरी किए अपना आयुष्मान कार्ड बनवा लें। उन्होंने कहा कि अभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ विकास विभाग के पंचायत सहायक और कोटेदार भी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित एएनएम, आशा संगिनी, सीएचओ, पंचायत सहायक अथवा कोटेदार से संपर्क कर पात्र व्यक्ति अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं।

विभाग का प्रयास है कि शत-प्रतिशत पात्र लोगों को आयुष्मान भारत योजना से आच्छादित किया जाए। डॉ. चन्द्रा ने कहा कि जिन लोगों का कार्ड गलत बन गया है, उन्हें भी घबराने की जरूरत नहीं है। अभियान के दौरान उनके कार्ड में आवश्यक सुधार कराया जाएगा, ताकि पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विजिलेंस अधिकारी बनकर बिजली उपभोक्ताओं से पैसे मांगने का मामला

बिजली चोरी की चेकिंग के दौरान विजिलेंस टीम के नाम पर फोन कर रुपये मांगने का आरोप, साइबर थाने में दी तहरीर

सहारनपुर (वेलकम इंडिया)। बिजली उपभोक्ताओं से ठगी करने के लिए जालसाज अब खुद को विजिलेंस अधिकारी बताकर फोन पर रुपये मांगने लगे हैं। ऐसा ही मामला मच्छरहेड़ी और मोहदीनपुर क्षेत्र में सामने आया है। मामले में बिजली विभाग की ओर से साइबर थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। जानकारी के अनुसार 11 सितंबर 2026 को मानकमऊ के एसडीओ, फन्दापुरी के जेई और लाइनमैन ने स्थानीय पुलिस के साथ मच्छरहेड़ी गांव और मोहदीनपुर क्षेत्र में बिजली चोरी की रोकथाम के लिए चेकिंग अभियान चलाया। विभाग के अनुसार इस अभियान के दौरान सहारनपुर की विजिलेंस टीम मौके पर मौजूद नहीं थी।

इसी दौरान कुछ बिजली उपभोक्ताओं के पास एक व्यक्ति ने फोन कर खुद को सहारनपुर विजिलेंस का अधिकारी बताते हुए रुपये की मांग की। शिकायत सामने आने के बाद बिजली विभाग और विजिलेंस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चेकिंग अभियान में विजिलेंस टीम शामिल नहीं थी। आरोप है कि फोन करने वाला व्यक्ति विजिलेंस विभाग का नाम इस्तेमाल कर उपभोक्ताओं से पैसे ऐंठने का प्रयास कर रहा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए सहारनपुर विजिलेंस की ओर से साइबर थाने में तहरीर दी गई है। विभाग ने पुलिस से संबंधित व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

विभाग की ओर से बिजली उपभोक्ताओं को भी सतर्क रहने की अपील की गई है। अधिकारियों ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति खुद को बिजली विभाग या विजिलेंस अधिकारी बताकर फोन पर पैसे की मांग करता है तो बिना सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को रकम न दें और तत्काल संबंधित बिजली अधिकारी या पुलिस को इसकी सूचना दें। विभाग का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई का उद्देश्य उपभोक्ताओं को साइबर ठगी से बचाना और विभाग की छवि खराब करने वाले लोगों पर अंकुश लगाना है।

निरोगी रहना है तो अपने आसपास रखें सफाई: संजय द्विवेदी

ए.एच. एग्री. इंटर कालेज के सैकड़ो छात्र-छात्राओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावां के ए.एच. एग्री. इंटर कालेज उजियार दुधारा में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुहम्मद इश्तियाक अंसारी और संचालन मुहम्मद परवेज अख्तर ने किये। प्रधानाचार्य संजय द्विवेदी ने कहा कि निरोगी रहने के लिए अपने शरीर के साथ साथ अपने घर के आसपास साफ सफाई रखें। कचरा इधर उधर न फेकें। डस्टबिन में डालें। खाने से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथ धोना चाहिए। घर, रसोई और बाथरूम को साफ और रोगाणुमुक्त रखने का प्रयास करें। आसपास के वातावरण, गलियों और सार्वजनिक स्थानों को कचरा-मुक्त रखने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि भोजन को ढककर रखना, साफ पानी का उपयोग करना और रसोई में

स्वच्छता बरतना चाहिए। सार्वजनिक संपत्तियों, पार्कों और मेल-मिलाप की जगहों पर गंदगी न फैलाना व सामूहिक रूप से स्वास्थ्य मानकों को बनाए रखना चाहिए। इस अवसर पर मोहम्मद इश्तियाक अंसारी, फसीहुद्दीन, मोहम्मद यूनुस, मोहम्मद शाहिद, कमरे आलम सिद्दीकी, अब्दुस्सलाम, ओबैदुल्लाह, जुबेर अहमद, मुहम्मद परवेज अख्तर, ओजैर अहमद, जुनैद अहमद, फखरुद्दीन, हकीमुल्लाह, मोहम्मद जाहिद, सबीह अहमद, असादुल्लाह, रफी अहमद अंसारी, आरिफ अली आदि मौजूद रहे।

रेलवे स्टेशन से अपहृत पांच माह का मासूम सकुशल बरामद, महिला समेत दो गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। थाना हाईवे पुलिस, साइबर सेल और सर्विलांस टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन क्षेत्र से अपहृत पांच माह के मासूम बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में एक महिला समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों से पूछताछ कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिला और उसका साथी संजीव संतान न होने के चलते धार्मिक स्थलों पर घूम रहे थे। आरोप है कि आठ सितंबर को दोनों ने मथुरा जंक्शन के गेट नंबर-दो के बाहर मौका पाकर पांच माह के मासूम को उठा लिया और वहां से फरार हो गए। बच्चे के अपहरण की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक

सर्विलांस की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू की। लगातार की गई जांच के बाद पुलिस टीम ने 11 सितंबर को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से मासूम बच्चे को भी सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने बच्चे को परिजनों के सुपुर्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मरम्मत कार्य के दौरान राष्ट्रीय इंटर कॉलेज की छजली गिरी, दो मजदूर गंभीर घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। जतीपुरा मार्ग स्थित राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में शुक्रवार को मरम्मत कार्य के दौरान मुख्य गेट की छजली अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे में गेट पर काम कर रहे दो मजदूर मलबे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कॉलेज परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बताया गया कि कॉलेज में इन दिनों मरम्मत कार्य चल रहा है। शुक्रवार को दो मजदूर मुख्य गेट की छजली पर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक छजली का एक हिस्सा नीचे आ गिरा और दोनों मजदूर मलबे में दब गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल दोनों को मलबे से बाहर निकाला और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोवर्धन पहुंचाया। घायलों की पहचान अड़ींग निवासी लालसिंह और राजस्थान के भरतपुर निवासी पंकज के रूप में हुई है। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए आगरा रेफर कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। घटना के बाद कॉलेज में चल रहे मरम्मत कार्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं। स्थानीय निवासी गौरव ने बताया कि मरम्मत के दौरान अचानक छजली गिरने से दो मजदूर घायल हुए हैं। लोगों ने निर्माण और मरम्मत कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है।

एडीएम जे-तहसीलदार सदर कोर्ट का बहिष्कार

सालों से चल रही है कोर्टों के बहिष्कार कर अनियमितता पर अंकुश की कोशिश

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। प्रशासनिक न्यायालयों में न्यायिक पीठ पर बैठे अफसरों की कार्यप्रणाली से अधिवक्ता आए दिन खफा हो जाते हैं। इसके चलते एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य की कोर्ट का 28 अगस्त से एवं 6 सितम्बर से तहसीलदार सदर अमित त्रिपाठी की कोर्ट का वहिष्कार कर रखा है। पूर्व में भी कयी न्यायाधिकारियों की कोर्ट का वहिष्कार महीनों चला लेकिन परिणाम ढाक के तीन पात रहा। इधर वादकारी परेशान हो रहे हैं। मथुरा जनपद में जमीनों की कीमत आसमान छूने के साथ ही कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी होने लगी है। प्रशासनिक न्यायालयों में निर्णय संक्रमित होने लगे हैं। पूर्व में अधिवक्ता राजस्व परिषद के चेयरमैन तक से मिलने लखनऊ पहुंचे। इसके बाद डीएम व अधिवक्ताओं ने साथ बैठक कर कार्य वहिष्कार वापस लिया। अधिकारी और अधिवक्ताओं के बीच बिवाद तक हो चुके हैं लेकिन हालात सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। वादकारियों की न्याय मिलने में कयी तरह की दिक्कत पहले से ही हैं वहिष्कार से उन्हें कोई लाभ नजर नहीं आता। आला अफसरों का अधीनस्थों पर प्रभाव यातो कमजोर पड़ गया है या फिर वह सबकुछ जानकर भी अनजान बने हुए हैं।

गिरिराज प्रभु की भक्ति में रंगे सांसद अक्षय यादव सप्तकोसीय पैदल परिक्रमा कर किया दुग्धाभिषेक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गोवर्धन। धर्मनगरी गोवर्धन में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी से फिरोजाबाद सांसद अक्षय यादव पहुंचे। उन्होंने गिरिराज महाराज की भक्ति और आस्था के साथ पूजा-अर्चना कर पैदल परिक्रमा की। सांसद के गोवर्धन पहुंचने से परिक्रमा मार्ग पर धार्मिक माहौल नजर आया।

उन्होंने गिरिराज महाराज से देश-प्रदेश में सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। पैदल परिक्रमा के दौरान अक्षय यादव ने गिरिराज जी के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन किए और परिक्रमा मार्ग पर मौजूद श्रद्धालुओं के साथ धार्मिक वातावरण का अनुभव किया। इसके बाद वह प्रसिद्ध दानघाटी मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने गिरिराज प्रभु का दूध से अभिषेक किया। मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर गिरिराज महाराज का आशीर्वाद लिया। दानघाटी मंदिर

में सांसद अक्षय यादव को सपा के प्रदेश सचिव ठाकुर किशोर सिंह ने स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान दानघाटी मंदिर परिसर भक्तिमय नजर आया। सांसद अक्षय यादव ने गिरिराज महाराज के दर्शन कर ब्रज की धार्मिक परंपराओं और आस्था के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। उनके साथ ठाकुर किशोर सिंह, जितेंद्र सिंह, अंशु कौशिक, पंकज मुखिया सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सांसद के गोवर्धन पहुंचने की जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों और समर्थकों ने भी उनसे मुलाकात की।

22 वां स्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह 7 दिसंबर को

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। अखिल भारतीय स्वर्णकार जनजागृति एसोसियेशन की ओर से 22वां स्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह का आयोजन 7 दिसंबर को श्रीकृष्णा गार्डन, सौ फुटा रोड, कालिन्दी विहार, आगरा में होगा। अखिल भारतीय स्वर्णकार जनजागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि एसोसियेशन की ओर से सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने वाले जोड़ों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक स्वजातीय परिवार अपने नजदीकी जोड़ा प्रभारी अथवा एसोसियेशन के पदाधिकारियों से संपर्क कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। एसोसियेशन के मुख्य कार्यालय का पता 6/265, रामबाबू की जीन, पथवारी, बेलनगंज, आगरा है। मथुरा में जोड़ा प्रभारी ओमप्रकाश वर्मा पलसों वालों से सम्पर्क कर सकते हैं।

पुलिस ने ससुरालियों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया

दुधारा थाना क्षेत्र के चिउटना का मामला

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के चिउटना निवासी ससुरालियों के मुकामी पुलिस ने दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मेहदावल थाना क्षेत्र के बरईपुर निवासी उर्मिला पत्नी सुबाष ने दुधारा पुलिस को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर दुधारा थाना क्षेत्र के चिउटना निवासी सूरज पुत्र जितेन्द्र, जितेन्द्र पुत्र अज्ञात, सास नाम अज्ञात पत्नी जितेंद्र, ननद रोशनी, सुमन पुत्री गण जितेंद्र के विरूद्ध शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कहा है कि वंदना पुत्री सुबाष(21) की शादी 2 नवम्बर 2025 को सूरज पुत्र जितेन्द्र से हुई थी अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान दहेज देकर विदा किया। दो महीने बाद दहेज को लेकर प्रताड़ित करने लगे, दो लाख रुपए और चार पहिया गाड़ी की मांग को लेकर मेरी पुत्री मारने पीटन लगे। ससुर द्वारा जमीन खरीदने के लिये एक लाख रुपए दहेज की मांग करने, खाना पीना बन्द कर देने व कहने कि जब दहेज ले आना तब रहना।

मेरी पुत्री द्वारा दिनांक 10 सितम्बर को डेढ़ बजे वन्दना द्वारा फोन कर यह कहने कि मैं यहां ठीक नहीं हूं। सूरज द्वारा फोन कर कहने कि आकर आखिरी बार अपनी बेटी से मिल लें। थानाध्यक्ष दुधारा अमित कुमार कुशवाहा ने बताया कि मु. अ. सं 372/26 धारा 85,80(2) बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर आरोपितों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिशन 2027 को लेकर गांव-गांव पहुंचे धनपति वर्मा

जनसंपर्क कर सपा को बूथ स्तर तक मजबूत करने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरखेड़ा/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने शुक्रवार को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने बैजूनागर, पिंडरा, विधिपुर, पौटा कला, खमरिया, पंडरी, बरखेड़ा कला, लखनऊ गौटिया, मधुपुरी, खगाई, काजबोझी, भगवन्तापुर, उमराखान सिंह और लखाखास गांवों का भ्रमण किया।

इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर स्थानीय समस्याओं, जनहित से जुड़े मुद्दों और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की। जनसंपर्क के दौरान धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी जनता के बीच लगातार अपनी नीतियों और विचारधारा को लेकर पहुंच रही है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों से संवाद करने तथा उनकी समस्याओं को समझने का आह्वान किया। उनका कहना था कि किसानों, नौजवानों, छात्रों, महिलाओं और आम लोगों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल है। धनपति वर्मा ने कहा कि जनता के बीच सरकार की नीतियों को लेकर असंतोष दिखाई दे रहा है और लोग बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए संगठन को जमीनी स्तर तक सक्रिय करना जरूरी है। इसके लिए प्रत्येक गांव और बूथ तक कार्यकताओं की पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।उन्होंने कहा कि पीडीए को मजबूत करते हुए समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ना समाजवादी पार्टी का उद्देश्य है। मिशन 2027 को लेकर उन्होंने कार्यकताओं से अभी से पूरी ताकत के साथ जुटने की अपील की। उन्होंने कहा कि गांवों में लगातार जनसंपर्क कर लोगों को पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। सपा नेता ने कार्यकताओं से आपसी एकजुटता और पूरी निष्ठा के साथ अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत किए बिना चुनावी लक्ष्य हासिल करना संभव नहीं है। उन्होंने कार्यकताओं से प्रत्येक गांव और प्रत्येक बूथ तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने तथा आगामी विधानसभा चुनाव के लिए मजबूती से तैयारी करने की अपील की।जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों से क्षेत्रीय समस्याओं पर भी चर्चा हुई। धनपति वर्मा ने कहा कि जनता की आवाज को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा और जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रहेगा।

त्यौहारों पर अफवाहबाजों पर रहेगी पुलिस की पैनी नजर, शांति समिति की बैठक में बनाई गई रणनीति

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। आगामी प्रमुख त्यौहारों गणेश पूजा और विश्वकर्मा पूजा को क्षेत्र में शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को त्रिलोकपुर थाना परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। शाम पांच बजे थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित इस पीस कमेटी की बैठक में क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे हर वर्ष की भांति इस बार भी त्यौहारों को आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति हुड़दंग मचाने, शांति व्यवस्था भंग करने अथवा सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी तरह की भ्रामक अफवाह फैलाने का प्रयास करेगा, तो पुलिस उसके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाएगी। इस अवसर पर सुरक्षा और प्रशासनिक सहयोग के लिए बिस्कोहर चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही मौजूद रहे। साथ ही क्षेत्र से आए संभ्रांत नागरिकों में सम्राट, विजय पाल चौधरी, विकास कुमार, रतन कुमार, दीपक यादव, शिव कुमार, आजाद सिंह, अमर सिंह, अजीत कुमार, धनी राम, मोनू विश्वकर्मा, अनुराग पाण्डेय, अजय चौरसिया, अजय मौर्य, बालक चाँदनी, चन्द्र प्रकाश शुक्ल, अरुण कुमार यादव, शमशुद्दीन और संदीप सहित कई लोग उपस्थित रहे।

मूलभूत सुविधाओं के लिये तरस रहे ग्रामीण, भीम आर्मी ने उठाई आवाज

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। पूरनपुर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से चली आ रही विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को भीम आर्मी जय भीम संगठन के कार्यकताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष अभय कुमार के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं बेहतर कराने और अधूरे विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी। ज्ञापन में ग्रांट नंबर 21 उर्फ ढक्का चांट, गजरौला, बिनौरा, खिरकिया बरगदिया, छह नंबर कॉलोनी समेत आसपास के गांवों की समस्याओं का उल्लेख किया गया। संगठन ने ग्रामीणों की सुविधा के लिए गौशाला निर्माण कराने के साथ ही पात्र लोगों को राशन कार्ड, वृद्धावस्था एवं अन्य पेंशन योजनाओं तथा दिव्यांग सहायता का लाभ दिलाने के लिए विशेष शिविर आयोजित कराने की मांग की। कार्यकताओं ने चंदिया–हजारा से ढक्का चांट जाने वाले मार्ग पर स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग भी उठाई। उनका कहना था कि रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था न होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में स्थायी चिकित्सक की तैनाती तथा आपात स्थिति में ग्रामीणों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 108 एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की गई।

हजारा में बालिकाओं और महिलाओं को पुलिस ने दिए सुरक्षा के टिप्स, मुश्किल घड़ी में हेल्पलाइन नंबरों का सहारा लेने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

हजारा/पीलीभीत। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलंबन को लेकर पुलिस की ओर से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत शुक्रवार को थाना हजारा क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में थाना हजारा की मिशन शक्ति टीम ने बालिकाओं, महिलाओं और आमजन से संवाद कर उन्हें महिला सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।अभियान के दौरान टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न, छेड़छाड़, घरेलू हिंसा अथवा साइबर अपराध की स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल पुलिस या संबंधित हेल्पलाइन की मदद ली जा सकती है। पुलिस टीम ने महिलाओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग रहने के साथ-साथ किसी भी घटना की जानकारी समय रहते परिजनों और पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया।

जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं एवं बालिकाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। टीम ने 1090 महिला पावर लाइन, 112 आपातकालीन पुलिस सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से बताया। पुलिसकर्मियों ने समझाया कि आपात स्थिति में 112 पर संपर्क कर तत्काल पुलिस सहायता प्राप्त की जा सकती है, जबकि साइबर ठगी होने पर समय गंवाए बिना 1930 पर शिकायत दर्ज कराना महत्वपूर्ण है।मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं से कहा कि वे अपने अधिकारों को समझें और किसी भी तरह के दबाव या भय में आकर चुप न रहें। बालिकाओं को विशेष रूप से सुरक्षित व्यवहार, अजनबियों से सतर्कता और सोशल मीडिया के इस्तेमाल में सावधानी बरतने के प्रति जागरूक किया गया।पुलिस टीम ने आमजन से भी अपील की कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी महिला या बालिका के साथ होने वाली परेशानी की जानकारी मिलने पर संवेदनशीलता के साथ सहयोग करें और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस को सूचना दें। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर और जागरूक बनाना रहा।

संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में मिली युवक की लाश, क्षेत्र में फैली सनसनी

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

जोगिया/सिद्धार्थनगर। जिले के जोगिया थानाक्षेत्र के सोनवल गाँव के तालाब का मामला है जहाँ पर संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में डूबी मिली मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव(एम आर) राहुल कुमार की लाश मिलने से आस- पास के क्षेत्र में सनसनी मच गई। लाश मिलने की सूचना पर एडिशनल एसपी, सीओ समेत पुलिस व फॉरेंसिक की टीम ने पहुँच कर मामले की जाँच में जुट गए। पुलिस द्वारा लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

इस घटना में परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। वहीं मीडिया से बात करते हुए मृतक के भाई रौनक ने बताया कि राहुल जिले में 7-8 सालों से रहता था और व्यवहार कुशल था। यह बीते शनिवार से गायब था जिसकी गुमशुदगी सदर थाने में दर्ज करवाई और जिसके बाद पुलिस राहुल की तलाश भी कर रही थी। वहीं घटना स्थल पर जाँच करने पहुँचे जिले के एएसपी प्रशांत कुमार ने घटना की जानकारी दी और बताया कि लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना के खुलासे के लिए टीमें लगाई है।

बिजली गुल होते ही थम जाती है पानी की सप्लाई

टंकी का टैंक नहीं भरने से ग्रामीण परेशान, तकनीकी खामी दूर कराने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

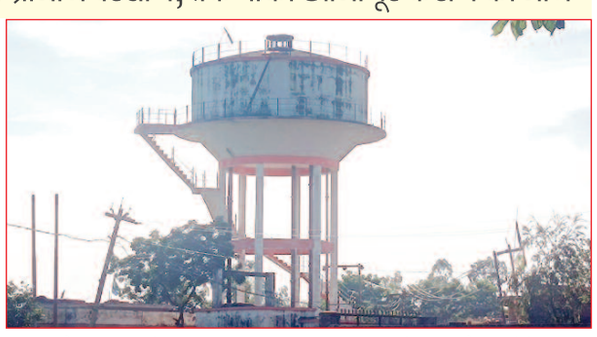

गोरा/पीलीभीत। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोरा में ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई पानी की टंकी की व्यवस्था इन दिनों सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली रहने तक ही गांव में पानी की आपूर्ति हो पाती है। बिजली जाते ही पानी की सप्लाई भी बंद हो जाती है। इससे लोगों को घंटों तक पेयजल के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार पानी की टंकी का टैंक पर्याप्त मात्रा में नहीं भर पा रहा है। बताया जा रहा है कि मोटर से टैंक तक पानी पहुंचाने वाली व्यवस्था में तकनीकी दिक्कत है। सप्लाई वाल्व में खराबी के कारण मोटर चलने के बावजूद टैंक में पर्याप्त पानी जमा नहीं हो पाता। ऐसे में बिजली उपलब्ध रहने के दौरान ही किसी तरह गांव में पानी की आपूर्ति की जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के तमाम परिवार पेयजल के लिए इसी व्यवस्था पर निर्भर हैं। बिजली आपूर्ति बाधित होते ही पानी भी बंद हो जाने से सबसे अधिक परेशानी घरों में रोजमर्रा के कामकाज को लेकर होती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि टैंक पर्याप्त रूप से भरता रहे तो बिजली जाने के बाद भी कुछ समय तक पानी की सप्लाई जारी रह सकती है।पानी की टंकी के ऑपरेटर बाहिद खान ने बताया कि बिजली रहने तक गांव में पानी की आपूर्ति की जाती है। बिजली जाते ही सप्लाई बंद हो जाती है। उन्होंने बताया कि सप्लाई वाल्व में खराबी के कारण मोटर से टैंक में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे टैंक भरने में दिक्कत हो रही है। ग्रामीणों ने संबंधित विभागीय अधिकारियों से पानी की टंकी, मोटर, सप्लाई वाल्व और पाइपलाइन व्यवस्था की जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि तकनीकी खामी जल्द दूर कर टैंक को पर्याप्त रूप से भरने की व्यवस्था की जाए, ताकि गांव में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

पांच दिवसीय कार्य की मांग को लेकर बैंक कर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस के बैनर तले बैंक कर्मियों ने एक दिवसीय हड़ताल के तहत भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा नौगढ़ पर पांच दिवसीय बैंकिंग कार्य समेत अन्य कई मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। इसके चलते देश भर में करीब 500 करोड़ का बैंकिंग कार्य प्रभावित हुआ। एसबीआई हड़ताल के चलते 250 बैंक शाखाओं में बैंकिंग कामकाज पूरी तरह ठप रहा। अधिकांश बैंकों के ताले नहीं खुले।यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस के शाखा से जुड़े स्थानीय कर्मचारियों ने कहा कि अगर सरकार पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह को लागू करते हुए शनिवार को बैंक अवकाश नही घोषित करती है, तो यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा और हड़ताल लम्बी चलेगी।शाखा प्रबन्धक अनिल कुमार ने बताया कि बैंक कर्मचारियों द्वारा प्राप्त प्रत्येक उपलब्धि एकजुट संघर्ष और सामूहिक बलिदान का परिणाम रही है। बैंक कर्मचारियों ने कहा कि यह हड़ताल केवल एक विरोधात्मक कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह हमारे कड़े संघर्ष से अर्जित अधिकारों, सामूहिक सौदेबाजी की पवित्रता व प्रत्येक बैंक कर्मचारी व अधिकारी के कार्य जीवन सन्तुलन के प्रति हमारा दृढ़ संकल्प है। वहीं शोहरतगढ़ के एसबीआई, बैंक आफ बड़ौदा आदि पर शुक्रवार को टाला लटका रहा। बैंक उपभोक्ता बैंक के मुख्य गेट पर ताला व हड़ताल का बोर्ड देख मजबूर होकर वापस लौट गये। इस अवसर पर राम देव क्षेत्रीय सचिव आरबीओ–6 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन गोरखपुर, अंचल रामदेव, दीपचन्द, विकास चौधरी, निशा, अनिल कुमार, दिवाकर प्रकाश, प्रदीप कुमार, फारुक, पंकज कुमार, राम चन्द्र आदि मौजूद रहे।

किसानों की दिक्कतों को लेकर मुखर हुई अन्नदाता किसान यूनियन

धान खरीद, राइस मिलों और तहसील से जुड़े मुद्दे ज्ञापन में शामिल

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। अन्नदाता किसान यूनियन ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। प्रदेश सचिव बलजिंदर सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने धान खरीद शुरू होने से पहले क्रय केंद्रों की व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने और किसानों को संभावित परेशानियों से बचाने की मांग की।ज्ञापन में यूनियन पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि माधोटांडा रोड स्थित कुछ राइस मिलों से निकलने वाली धूल, गर्दा और धुएं से आसपास के विद्यालयों एवं आबादी के प्रभावित होने की स्थिति बनी हुई है। इससे बच्चों और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका जताते हुए संबंधित विभाग से मामले की जांच कराने और आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई। कार्यकताओं ने नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बंदरों तथा आवारा कुत्तों की समस्या का भी मुद्दा उठाया। उनका कहना है कि इनसे लोगों को परेशानी होने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। यूनियन ने संबंधित विभाग से स्थिति का सर्वे कराकर आवश्यक कदम उठाने की मांग की।

ज्ञापन में सड़कों पर अवैध पार्किंग और अतिक्रमण की शिकायतों की जांच कराने तथा यातायात व्यवस्था बेहतर करने के लिए पार्किंग की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई। खराब सड़कों की मरम्मत और नालियों की नियमित सफाई कराने की मांग भी रखी गई।एक अक्टूबर से प्रस्तावित धान खरीद को लेकर यूनियन ने क्रय केंद्रों पर कांटों, डस्टर और अन्य उपकरणों की जांच कराने तथा जो उपकरण खराब पाए जाएं, उन्हें समय से बदलवाने की मांग की। किसानों की तुलाई संबंधी मजदूरी का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से कराने और धान खरीद के पंजीकरण की प्रक्रिया जल्द शुरू कराने पर भी जोर दिया गया। ज्ञापन में दलालों या बिचौलियों की भूमिका की शिकायत मिलने पर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने की मांग की गई। साथ ही तहसील स्तर पर भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायतों की जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई गई। इसके अलावा कीटनाशकों की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित कराने तथा इसके लिए पीलीभीत में प्रयोगशाला स्थापित कराने की मांग की गई। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण होने से धान खरीद के दौरान उन्हें अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सकता है।

मुंबई की सरजमीं पर 'मुमताज' के चर्चे, उजियारवासियों का मिल रहा जबरदस्त समर्थन

काजूपाड़ा, साकीनाका और खैरानी रोड समेत कई इलाकों में हुआ जोरदार स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई इन दिनों सेमरियावां ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख मुमताज अहमद के प्रवास की चचाओं से गुलजार है। मुंबई के विभिन्न इलाकों में रह रहे तप्पा उजियार और खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र के लोगों से लगातार मुलाकात कर रहे मुमताज अहमद को स्थानीय लोगों का जबरदस्त समर्थन और आत्मीयता मिल रही है। मुमताज अहमद के मुंबई पहुंचने की खबर के बाद काजूपाड़ा, साकीनाका, खैरानी रोड समेत कई क्षेत्रों में स्थानीय लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने बीच अपने क्षेत्र के युवा राजनीतिक चेहरे को पाकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए अपने पुराने संबंधों और अपनत्व का इजहार किया। मुंबई प्रवास के दौरान मुमताज अहमद लगातार क्षेत्रवासियों से संवाद कर रहे हैं। रोजमर्रा की जिंदगी से लेकर क्षेत्र की समस्याओं और भविष्य की उम्मीदों तक, लोगों के साथ उनकी बातचीत का सिलसिला लगातार जारी है। लंबे समय से मुंबई में रह रहे उजियार क्षेत्र के लोगों के बीच पहुंचकर उन्होंने पुराने रिश्तों को फिर से मजबूत करने का प्रयास किया।

मुमताज अहमद ने अपने स्वागत और लोगों के उत्साह पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुंबई में रहने के बावजूद उजियार क्षेत्र के लोगों से उनका रिश्ता हमेशा दिल से जुड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि इलाके के लोगों के सुख-दुख में वह पहले भी साथ खड़े रहे हैं और आगे भी हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि राजनीतिक और सामाजिक जीवन में उनके लिए सबसे बड़ी ताकत क्षेत्र की जनता का प्यार और विश्वास है। मुंबई जैसे महानगर में हजारों किलोमीटर दूर रह रहे अपने लोगों से मिलना उनके लिए किसी भावनात्मक जुड़ाव से कम नहीं है। मुंबई में हुए स्वागत समारोहों और मुलाकातों में जिस तरह स्थानीय लोगों ने मुमताज अहमद के प्रति उत्साह दिखाया, उसने उनके समर्थकों के बीच भी नई ऊर्जा पैदा कर दी है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र से दूर रहने के बावजूद मुमताज अहमद का अपने लोगों से संपर्क और अपनापन बना हुआ है। तप्पा उजियार के लोगों के बीच उनकी सक्रियता और लगातार संवाद को लेकर समर्थकों में खासा उत्साह नजर आ रहा है। मुंबई प्रवास के दौरान जिस तरह अलग-अलग इलाकों में लोग उनसे मिलने के लिए जुट रहे हैं, वह उनके प्रति लोगों के जुड़ाव की तस्वीर पेश कर रहा है। फिलहाल मुंबई प्रवास के दौरान मुमताज अहमद का विभिन्न क्षेत्रों में लोगों से मिलने-जुलने का सिलसिला जारी है। उनके समर्थकों का कहना है कि यह प्रवास केवल मुलाकातों तक सीमित नहीं, बल्कि मुंबई में बसे अपने क्षेत्र के लोगों के साथ रिश्तों को और मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी है।

ग्राम पंचायत दहियाड़ के टोला लौसा में लगा ग्राम चौपाल, ग्रामीणों को योजनाओं की दी जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। गांव की समस्याओं का समाधान गांव में ही कराने की मंशा को लेकर शोहरतगढ़ विकास खण्ड की ग्राम पंचायत दहियाड़ के टोला लौसा स्थित विद्यालय परिसर में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सचिव शकील अहमद ने की। कार्यक्रम में ग्रामीणों को केन्द्र व प्रदेश सरकार की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों व कर्मचारियों ने पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, व्यक्तिगत शौचालय, पीएम किसान सहित ब्लॉक स्तर से संचालित योजनाओं के बारें में विस्तार से बताया। सचिव शकील अहमद ने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन की प्रक्रिया के सम्बन्ध में जानकारी दी और ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए गांव को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया। आरबीआई बैंक प्रतिनिधि सन्तोष शुक्ला ने ग्रामीणों को बैंकिंग एवं बीमा सेवाओं की जानकारी दी। साथ ही मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार व मसाला पाउडर निर्माण जैसे घरेलू उद्योगों के माध्यम से स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। तो वहीं महिला विकास संस्थान के ब्लॉक ऑफिसर अमन शर्मा ने बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई। उन्होंने साइबर सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया। आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ0 विशाल दीक्षित व उनकी टीम ने शिविर लगाकर लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक किया। इस दौरान लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर जरूरत के अनुसार आयुर्वेदिक दवाएं भी वितरित की गईं। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि पिन्टू पटेल, प्रधानाचार्य लाल बहादुर, शिक्षक मीनू पाण्डेय, मिथलेश चौधरी, आयुर्वेद चिकित्साकर्मी अजय कुमार मिश्रा, आलोक पाण्डेय, रोहित कुमार, सफाई कर्मी नन्दलाल, श्याम नन्द समेत राम बहोरे, शंकर, मिठाई लाल, कृष्णा, रशीद अली, राजमन चौकीदार, केतकी आदि मौजूद रहे।

पिता की डांट से नाराज युवक ने फंदे से लटककर दी जान

पीलीभीत। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अशरफ खान में रात पिता की डांट के बाद नाराज युवक ने फंदे से लटककर जान दे दी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मोहल्ला अशरफ खान निवासी अनीश पंचायती राज विभाग में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। उनका 22 वर्षीय पुत्र इमरान बृहस्पतिवार रात करीब आठ बजे वह घर पर ही मौजूद था। किसी बात को लेकर पिता ने उसे डांट दिया। इसके बाद वह नाराज होकर कमरे में चला गया और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। काफी देर तक कमरे से कोई हलचल नहीं होने पर परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इस पर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। मोहल्ले के लोगों की मौजूदगी में परिजन ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर उसका शव पंखे से दुपट्टे के सहारे लटकता मिला।

ईवीएम-वीवीपैट की एफएलसी को लेकर 21 जिलों के अधिकारियों की कार्यशाला

वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त की अध्यक्षता में हुआ आयोजन, अधिकारियों और कार्मिकों को तकनीकी व प्रशासनिक प्रक्रियाओं का दिया प्रशिक्षण

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। आगामी विधानसभा निर्वाचन की तैयारियों के तहत ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तर की जांच (एफएलसी) को निर्धारित मानकों के अनुरूप कराने के लिए शुक्रवार को सर्किट हाउस सभागार में विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग ने की। कार्यशाला में 21 जनपदों के जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी और एफएलसी सुपरवाइजर शामिल हुए। इनमें वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही, प्रयागराज, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशाम्बी, आजमगढ़, बलिया, मऊ, गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, गोंडा, संतकबीरनगर, बस्ती और सिद्धार्थनगर के अधिकारी शामिल रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त मनीष गर्ग, मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी अखंड प्रताप सिंह, प्रमुख सचिव भारत निर्वाचन आयोग बीसी पात्रा, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह और अवर सचिव भारत निर्वाचन आयोग राकेश कुमार ने किया।

कार्यशाला में अधिकारियों को ईवीएम और वीवीपैट की एफएलसी से जुड़ी तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने मशीनों की जांच के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों, निर्धारित प्रोटोकॉल और अधिकारियों तथा मास्टर ट्रेनरों की जिम्मेदारियों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विशेषज्ञों ने ईवीएम और वीवीपैट के संपूर्ण जीवन चक्र के बारे में जानकारी दी। इसमें मशीनों के संचालन, रैंडमाइजेशन, कमीशनिंग, मतदान, मतगणना और मतगणना के बाद अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं को समझाया गया। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के विशेषज्ञ रवि रंजन, राहुल कुशवाहा और रामा मीनन कुमार डी ने मशीनों की तकनीकी संरचना और सुरक्षा विशेषताओं की जानकारी दी। भारत निर्वाचन आयोग के ईवीएम प्रभाग के प्रमुख सचिव बीसी पात्रा ने एफएलसी के दौरान होने वाली सामान्य तकनीकी त्रुटियों और उनसे बचने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। कार्यशाला स्थल पर ईवीएम और वीवीपैट उपलब्ध कराकर बीईएल के विशेषज्ञ इंजीनियरों ने एफएलसी प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रतिभागियों को स्वयं मशीनों के संचालन और निर्धारित प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने हैंड्स-ऑन अभ्यास के जरिए तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं को समझा। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया और डाउट क्लियरिंग सत्र के दौरान अधिकारियों के सवालों का समाधान किया गया। प्रतिभागियों से घोषणा-पत्र भी प्राप्त किए गए, जिसमें प्रशिक्षण में बताए गए विषयों को समझने और किसी प्रकार की शंका शेष नहीं होने की पुष्टि की गई। समापन अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि ईवीएम और वीवीपैट से जुड़ी प्रत्येक प्रक्रिया में निर्वाचन आयोग के निर्धारित प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन किया जाना चाहिए। एफएलसी की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और सावधानी के साथ पूरी करने पर जोर दिया गया, ताकि आगामी विधानसभा निर्वाचन निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

विधायक त्रिभुवन राम ने दानगंज बाइपास रोड का किया स्थलीय निरीक्षण

संदीप तिवारी संवाददाता

वाराणसी/मिजार्मुराद। आज अजगरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत दानगंज बाइपास रोड का माननीय विधायक त्रिभुवन राम जी ने स्थलीय निरीक्षण कर सड़क की वर्तमान स्थिति एवं निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विधायक जी ने सड़क की स्थिति का बारीकी से अवलोकन करते हुए क्षेत्र की बेहतर यातायात व्यवस्था एवं जनसुविधाओं से जुड़े विषयों पर आवश्यक पहल का भरोसा दिलाया।दानगंज बाइपास मार्ग वाराणसी से जौनपुर होते हुए आजमगढ़ को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इसके बेहतर निर्माण एवं सुचारु संचालन से क्षेत्र के आवागमन को सुगम बनाने के साथ-साथ स्थानीय जनता को बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा तथा यातायात व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।माननीय विधायक जी ने कहा कि क्षेत्र की जनता को बेहतर सड़क, सुगम आवागमन और आवश्यक जनसुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में है। विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता को लेकर निरंतर निगरानी रखी जाएगी।

सपा प्रदेश सचिव रेहान खान बने निष्ठा, त्याग और वफादारी की मिसाल; गरीबों और पिछड़ों के हक के लिए भरी हुंकार

वेलकम इंडिया/मोहम्मद असलम

पलिया कलां/लखीमपुर खीरी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश का सम्मान करते हुए सपा प्रदेश सचिव रेहान खान ने समाजवादी पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा और राजनीतिक परिपक्वता का ऐतिहासिक उदाहरण पेश किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा आगामी समय में पार्टी की सरकार बनने पर बड़े सम्मान और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के दिए गए आश्वासन के बाद, रेहान खान बिना किसी मलाल के दोगुनी ऊर्जा और निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करने और जनसेवा के कार्यों में पूरी तरह जुट गए हैं। पद के नहीं, विचारधारा के सिपाही रेहान खान ने खुले शब्दों में स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का हर फैसला उनके लिए सर्वोपरि है। उनके इस कदम ने यह साबित कर दिया है कि वे किसी पद या व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के लोभी नहीं हैं, बल्कि समाजवादी विचारधारा के सच्चे, समर्पित और अनुशासित सिपाही हैं। व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर पार्टी के आदेश को शिरोधार्य करने के उनके इस जज्बे ने पलिया की सियासत में उनके राजनीतिक और सामाजिक कद को कई गुना बढ़ा दिया है। गरीबों और बेसहारों के मसीहा क्षेत्र में एक दरियादिल नेता के रूप में पहचाने जाने वाले रेहान खान हमेशा गरीबों, बेसहारों और जरूरतमंदों के सुख-दुख में ढाल बनकर खड़े रहे हैं। पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद, राशन वितरण और वस्त्र प्रदान करने जैसे समाज सेवा के कार्यों के जरिए उन्होंने हर असहाय के आंसू पोंछने का काम निरंतर किया है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पिछड़े और कमजोर वर्गों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाना ही उनकी राजनीति का मुख्य ध्येय रहा है। गंगा-जमुनी तहजीब के पक्के पैरोकार रेहान खान क्षेत्र में हिंदू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी तहजीब की एक मजबूत मिसाल हैं। वे सभी धर्मों और त्योहारों का समान रूप से आदर करते हैं, जिसके चलते क्षेत्र के हर वर्ग, धर्म और समुदाय के लोगों में उनकी गहरी पैठ और अपार सम्मान है। मिशन 2027 और यूथ ब्रिगेड की तैयारी आगामी राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए रेहान खान ने युवाओं और समाज के हर तबके को समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारों से जोड़ने का सघन अभियान शुरू कर दिया है। यूथ ब्रिगेड को एकजुट कर वे क्षेत्र में सपा को नई धार दे रहे हैं, ताकि आने वाले समय में पार्टी को प्रचंड बहुमत दिलाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के हाथों को मजबूत किया जा सके।

पांचवें दिन भी जारी सनातन रक्षा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का अनशन, उग्र आंदोलन की चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। पहासू क्षेत्र में सनातन रक्षा वाहिनी के तत्वावधान में विभिन्न मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल और धरना प्रदर्शन शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रिंस हिंदू मांगों को लेकर अनशन पर डटे हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि शासन-प्रशासन ने जल्द उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। धरने को संबोधित करते हुए प्रिंस हिंदू ने जातिगत आरक्षण व्यवस्था समाप्त कर आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने, यूजीसी के नए नियम वापस लेने, एससी-एसटी एक्ट समाप्त करने तथा सवर्ण समाज के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए सवर्ण आयोग गठित करने की मांग उठाई। धरना स्थल पर मौजूद कार्यकर्ताओं में मांगों को लेकर आक्रोश दिखाई दिया। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी के नियमों को वापस लेने की मांग को लेकर शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

इस दौरान 'मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' जैसे नारे भी लगाए गए। प्रिंस हिंदू ने प्रशासनिक अधिकारियों पर धरने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक अनशन समाप्त नहीं किया जाएगा। आंदोलन को देखते हुए धरना स्थल पर पुलिस बल तैनात किया गया है। एसडीएम, सीओ, पहासू थाना प्रभारी समेत आसपास के थानों की पुलिस फोर्स शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर मौजूद रही। खबर लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से इन आरोपों और मांगों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

मिशन शक्ति की काउंसलिंग से दंपति में हुआ समझौता, साथ रहने को हुए राजी

अगौता/बुलंदशहर (वेलकम इंडिया)। थाना अगौता स्थित मिशन शक्ति केंद्र की टीम के प्रयास से पारिवारिक विवाद से जूझ रहे एक दंपति के बीच आपसी समझौता कराया गया। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद दंपति ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने पर सहमति जताई। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर के निर्देशन में वैवाहिक एवं पारिवारिक विवादों का काउंसलिंग के माध्यम से समाधान कराने के लिए मिशन शक्ति केंद्र द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। वरिष्ठ उपनिरीक्षक अनोखेलाल गंगवार ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को मोनिका और बिट्टू के पारिवारिक विवाद से संबंधित प्रार्थना पत्र पर दोनों पक्षों को केंद्र पर बुलाकर काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की समस्याओं और बातों को समझा तथा आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने पर राजी हो गए। दोनों ने एक-दूसरे को विश्वास दिलाया कि पुरानी बातों को भुलाकर नए सिरे से वैवाहिक जीवन की शुरूआत करेंगे और आपसी प्रेम एवं सौहार्द के साथ रहेंगे। मिशन शक्ति केंद्र की टीम प्रभारी ने दंपति को नवजीवन की शुरूआत के लिए शुभकामनाएं दीं और भविष्य में छोटी-छोटी बातों को लेकर विवाद न करने तथा आपसी विश्वास और प्रेम के साथ जीवन व्यतीत करने की सलाह दी।

कलेक्शन एजेंट से लूट के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

सीसीटीवी और सर्विलांस से हुई पहचान, तमंचा बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

किठौर। कलेक्शन एजेंट से रुपये से भरा बैग लूटने के प्रयास के मामले में किठौर पुलिस ने वांछित आरोपी अनुज को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 315 बोर का देशी तमंचा बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार 31 अगस्त को माइक्रो फ्यूजन फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एजेंट जितेंद्र कुमार निवासी लुहारी, थाना बहादुरगढ़, हापुड़ ने शिकायत दी थी। बताया था कि नगली किठौर से शोलदा के बीच गढ़ रोड पर बाइक सवार अज्ञात लोगों ने कलेक्शन के रुपये से भरा बैग छीनने का प्रयास किया। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और सर्विलांस की मदद से आरोपियों की पहचान की। जांच में अमित उर्फ गोलू, अनुज और तीन बाल अपचारियों के नाम सामने आए। अमित उर्फ गोलू और तीन बाल अपचारियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस के मुताबिक कलेक्शन एजेंट के गांवों से रुपये एकत्र करने की जानकारी आरोपियों को थी। उन्होंने उसकी रेकी करने के बाद साथियों के साथ मिलकर रुपये से भरा बैग छीनने का प्रयास किया था। 10 सितंबर को संदिग्ध व्यक्ति और वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने अनुज पुत्र विनोद निवासी बड़ा हसनपुर, थाना किठौर को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 315 बोर का तमंचा मिला। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आर्म्स एक्ट के तहत भी कार्रवाई की है।

पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था की मांग को लेकर यूनियन बैंक अधिकारियों का प्रदर्शन

पीएलआई योजना के विरोध में करीब 500 बैंककर्मी हुए एकजुट, सरकार और भारतीय बैंक संघ से लंबित मांगों पर संवाद की अपील

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने और प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में भेदभाव का आरोप लगाते हुए बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर चल रही राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के तहत जेपी मेहता स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय के बाहर यूनियन बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन ईस्टर्न यूपी वाराणसी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में करीब 500 बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन का नेतृत्व एसोसिएशन के महासचिव कौशलेंद्र कुमार, स्टेट यूथ विंग कन्वेनर संतोष राय और क्षेत्रीय सचिव अरविंद कुमार ने किया। इस दौरान बैंककर्मियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए सरकार से लंबित मुद्दों के शीघ्र समाधान की मांग की।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि मार्च 2024 में पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने को लेकर आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया। इससे बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों में असंतोष है। संगठन ने सरकार से अपने आश्वासन को पूरा करते हुए बिना किसी और देरी के पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। एसोसिएशन ने योजना के एकतरफा क्रियान्वयन का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि इसमें बड़ी संख्या में कार्यरत कर्मचारियों के योगदान को उचित महत्व नहीं दिया जा रहा है। संगठन के अनुसार ऐसी व्यवस्था से कर्मचारियों के मनोबल पर असर पड़ने के साथ संवर्ग के भीतर असमानता और विभाजन को बढ़ावा मिल सकता है। पदाधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों के योगदान का निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से मूल्यांकन होना चाहिए। प्रोत्साहन योजनाएं ऐसी हों, जो बैंककर्मियों के बीच सहयोग, एकजुटता और टीम भावना को मजबूत करें। एसोसिएशन ने सरकार और भारतीय बैंक संघ से बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ सार्थक संवाद कर लंबित मांगों का समाधान करने की अपील की। महासचिव कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि बैंक अधिकारी और कर्मचारी वित्तीय समावेशन, राष्ट्र निर्माण और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बढ़ते कार्यभार और चुनौतियों के बावजूद कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि संगठन बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान, कल्याण और वैध अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना भी संगठन की प्राथमिकता है। प्रदर्शन में संगठन सचिव आदित्य मयंक, सहायक महासचिव जितेंद्र कुमार, आलोक कुमार, विवेक श्रीवास्तव, वैभव कुमार, सहायक क्षेत्रीय सचिव मृत्युंजय, सुनील मौर्या सहित बड़ी संख्या में बैंक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

पूठरीकला में बसपा का बूथ चलो, गांव चलो अभियान, बूथ कमेटी का गठन

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई (बुलंदशहर)। शुक्रवार को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती के निर्देश पर जनपद में 'बूथ चलो, गांव चलो' अभियान चलाया गया। इसी क्रम में डिबाई विधानसभा क्षेत्र के गांव पूठरीकला में बसपा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष समुद्रगुप्त मौर्य के नेतृत्व में बूथ कमेटी का गठन किया गया। कार्यकर्ताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने पर जोर दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आगामी समय में संगठन को और मजबूत करने तथा पार्टी के अभियान को सक्रियता के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक में बसपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एमआईटी में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में एकजुट हुए शिक्षाविद

फार्मा क्षेत्र में रिसर्च और इनोवेशन से विकसित भारत का लक्ष्य होगा साकार

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। एकेटीयू लखनऊ के सहयोग से मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में शुक्रवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ हुआ। 'इनोवेशन, रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप इन फार्मा फॉर विकसित भारत 2047' विषय पर आयोजित कांफ्रेंस में उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड के शोधकताओं ने प्रतिभाग किया। कांफ्रेंस में कुल 40 शोध पत्र प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जिनमें पहले दिन 22 शोध पत्रों पर विशेषज्ञों ने चर्चा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डीआरडीओ के डायरेक्टर जनरल रिसोर्स एंड मैनेजमेंट डॉ. रविंद्र कुमार, सीसीएसयू के डॉ. एसके शर्मा, एमआईटी निदेशक डॉ. केएलए खान, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा और फामेर्सी प्रिंसिपल डॉ. नीरज कांत शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि डॉ. रविंद्र कुमार ने कहा कि भारत अब केवल जेनेरिक दवाओं के उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि फार्मा इनोवेशन, रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केवल जेनेरिक दवाओं की सफलता पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। देश को नए फार्मास्युटिकल उत्पाद विकसित करने, रिसर्च को बढ़ावा देने और नवाचारों को पेटेंट कराने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने फार्मा कंपनियों से रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर निवेश बढ़ाने और अपने नवीन उत्पादों के विकास एवं पेटेंट पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। साथ ही सरकार की ओर से आरएंडडी और इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए संचालित योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। कांफ्रेंस के पहले दिन एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा के डॉ. रूपेश कुमार गौतम और लॉयड इंस्टीट्यूट, ग्रेटर नोएडा के डॉ. आशीष कुमार पराशर ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शोधार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने फार्मा क्षेत्र में नवीन अनुसंधान, तकनीकी विकास और उद्यमिता की संभावनाओं पर विचार साझा किए। इस दौरान फामेर्सी प्रिंसिपल डॉ. नीरज कांत शर्मा, कांफ्रेंस सेक्रेटरी डॉ. अमरेंद्र प्रताप यादव, डॉ. विपिन कुमार शर्मा, डॉ. आलोक शर्मा और अजय चौधरी सहित शिक्षक, शोधकर्ता एवं छात्र मौजूद रहे।

आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बूथ लेवल ऑफिसर को दिया गया प्रशिक्षण

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। आगामी विधानसभा चुनाव- 2027 के मद्देनजर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 57 मोदीनगर के निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/ उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार में बूथ लेवल ऑफिसर के साथ शुक्रवार को तहसील मोदीनगर सभागार में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के अंतर्गत अहर्ता दिनांक 01.10.2026 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने, अधिक से अधिक पात्र/छूटे मतदाताओं/ महिलाओ का नाम नाम फॉर्म 6 भरकर जोड़ने हेतू बूथ लेवल ऑफिसर को निर्देशित किया गया ' फॉर्म की फीडिंग में मतदाता का नाम, पिता/पति का नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर और मतदाता का पता शुद्ध अपलोड करने, मतदाता की फोटो सही साइज में अपलोड करने हेतू निर्देशित किया गया। जिससे मतदाता को भविष्य में फॉर्म 8 न भरना पड़े। कॉल बुक करें समय से निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया गया आदि जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण में उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पंवार, तहसीलदार रजत सिंह, नायब तहसीलदार श्रीमती प्रियंका शर्मा तथा वी0आर0सी0 ऑपरेटर फूलचंद उपस्थित रहे।

रालोद के तीस वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम का आयोजन

आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार बनाने का लिया संकल्प

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय लोकदल के 30 वर्ष पूरे होने पर मेरठ जनपद के गांव खानपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव रणवीर सिंह दहिया ने राष्ट्रीय लोकदल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सचिन चौधरी ने युवाओं से राष्ट्रीय लोकदल को मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर रणवीर सिंह दहिया ने बुजुर्गों का माल्यार्पण ओर शॉल पहनाकर स्वागत किया। सभा की अध्यक्षता रणवीर सिंह ओर संचालन रवि भारत चिकारा ने किया।

इस अवसर पर रवि भारत चिकारा शांतनु चिकारा बिल्लू प्रधान अजब सिंह सुशील प्रधान बिजेन्दर सिंह भोपाल सिंह रामवीर शर्मा राजेंद्र विश्वकर्मा वरुण चिकारा रामपाल कश्यप रामकुमार शर्मा सौदान आर्य चंद्र पल सिंह डॉक्टर बिजेंडर महक सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

दयावती मोदी पब्लिक स्कूल में गरिमापूर्ण पदग्रहण समारोह का आयोजन

नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को विभिन्न पदों के प्रदान किए गए बैज

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दयावती मोदी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में पदग्रहण समारोह का भव्य एवं गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुरेंद्र नाथ तिवारी, आईपीएस, डीसीपी ग्रामीण तथा विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन ज्ञान, विवेक और सकारात्मक नेतृत्व का प्रतीक रहा। समारोह में शैलेन्द्र सिंह, एसीपी ट्रैफिक तथा सिद्धार्थ गौतम, एसीपी मोदीनगर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन की ओर से राजीव बोबल, राघव मोदी, एन. पी. बंसल, शोभित नेहरा, डी. डी. कौशिक एवं चावला सर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विद्यालय के प्रधानाचार्य वी. के. राणा ने अपने संबोधन में बताया कि विद्यार्थियों को प्रदान किए जाने वाले बैज केवल पद का प्रतीक नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, अनुशासन, नेतृत्व और विद्यालय के प्रति अपने कर्तव्यों को निष्ठापूर्वक निभाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। इसके पश्चात नव-निर्वाचित छात्र परिषद के सदस्यों को विभिन्न पदों के बैज प्रदान किए गए। विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास और गरिमा के साथ अपने पद की शपथ ग्रहण की तथा विद्यालय की प्रतिष्ठा को बनाए रखने, अनुशासन का पालन करने और अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि सुरेंद्र नाथ तिवारी, आईपीएस, डीसीपी ग्रामीण ने विद्यार्थियों की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें समारोह के दौरान विद्यार्थियों का अनुशासन, आत्मविश्वास और पूरे कार्यक्रम को गरिमापूर्ण ढंग से संचालित करने का तरीका अत्यंत प्रभावित करने वाला लगा। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की भरपूर सराहना की और कहा कि जिस प्रकार विद्यार्थियों ने अनुशासन, शालीनता एवं जिम्मेदारी के साथ पूरे समारोह में अपनी भूमिका निभाई, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। उन्होंने विद्यालय परिवार को भी विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि सच्चा नेतृत्व केवल पद प्राप्त करने में नहीं, बल्कि अपने आचरण से दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करने में है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, ईमानदारी, जिम्मेदारी और निरंतर परिश्रम को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथियों ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अपने नेतृत्व कौशल का सकारात्मक दिशा में उपयोग करने तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का संदेश दिया। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन में उत्साह और गरिमा का संचार किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों का अनुशासन, आत्मविश्वास एवं समर्पण विशेष रूप से देखने को मिला। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में नेतृत्व, आत्मविश्वास, उत्तरदायित्व और टीम भावना के विकास का संदेश दिया। अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। 'आज प्राप्त पद केवल सम्मान का प्रतीक नहीं, बल्कि कल के जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।'

बैंक कर्मियों ने भरी हुंकार, पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग पर प्रदर्शन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में शुक्रवार को बैंक कर्मचारियों ने नवयुग मार्केट स्थित केनरा बैंक के बाहर प्रदर्शन किया। विभिन्न बैंक यूनियनों से जुड़े कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार नारेबाजी की। कर्मचारियों ने प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन व्यवस्था में व्याप्त विसंगतियां दूर करने और बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में लंबे समय से पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि अन्य कई क्षेत्रों की तरह बैंकिंग व्यवस्था में भी सप्ताह में पांच दिन काम होने से कर्मचारियों को बेहतर कार्य-जीवन संतुलन मिल सकेगा। इसके साथ ही प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी और समान बनाए जाने की जरूरत है। यूनियन बैंक स्टाफ एसोसिएशन के सहायक महामंत्री विनोद कुमार ने कहा कि प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन व्यवस्था में कर्मचारियों के बीच किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लंबे समय से उठाया जा रहा है, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में बैंक कर्मचारियों में रोष बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू होने से कर्मचारियों को अपने परिवार और व्यक्तिगत जीवन के लिए भी पर्याप्त समय मिल सकेगा। इससे कर्मचारियों की कार्यक्षमता और कार्य के प्रति संतुष्टि में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि देशभर के बैंक कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर एकजुट हैं और सरकार से अपेक्षा है कि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाए। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने 11 सितंबर की देशव्यापी हड़ताल के समर्थन में भी आवाज बुलंद की।

अधिवक्ताओं ने लेखपाल पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, उपजिलाधिकारी कार्यालय के सामने दिया धरना

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओं ने एक लेखपाल पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा कार्रवाई की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी कार्यालय के सामने धरना दिया। अधिवक्ताओं का आरोप है कि अधिकारी लेखपाल का पक्ष ले रहे हैं। अधिवक्ताओं ने दो दिन में लेखपाल का तबादला नहीं होने पर अनिश्चितकालीन धरना देने की चेतावनी दी है।

बार एसोसिएशन मोदीनगर के बैनर तले शुक्रवार को अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल उपजिलाधिकारी कार्यालय में एक लेखपाल की शिकायत लेकर पहुंचा था। लेखपाल पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा उपजिलाधिकारी से शिकायत की। मौके पर लेखपाल को भी बुलाया गया। उपजिलाधिकारी के सामने अधिवक्ताओं व लेखपाल के बीच वार्ता हुई। आरोप है कि वकीलों की बातों पर ध्यान नहीं दिया। इस पर अधिवक्ता भड़क गए। उपजिलाधिकारी कार्यालय के बाहर ही धरने पर बैठ गए। अधिवक्ताओं ने कहा कि तहसील में लेखपाल भ्रष्टचार कर रहे हैं। शिकायत करने पर अधिकारी लेखपालों का ही पक्ष ले रहे हैं। लगभग दो घंटे बाद उपजिलाधिकारी कोमल पंवार व तहसीलदार रजत सिंह अधिवक्ताओं के बीच पहुंचे और उनकी बात सुनी। किसी तरह उन्हें समझाया। लेखपाल का तबादला नहीं होने पर अधिवक्ताओं ने आंदोलन की चेतावनी दी है। एसोसिएशन के अध्यक्ष रामकुमार चौधरी, सचिव सौरभ शर्मा, पूर्व अध्यक्ष उत्तम त्यागी, कपिल त्यागी, अनुराग गुप्ता, अरूण शर्मा, राकेश कुमार, धीरज कौशिक, अमरदीप नेहरा, सेंसरपाल सिंह, पुनीत चौधरी, निशांत त्यागी, सुनील तेवतिया, राजबीर आदि उपस्थित रहे।

जाम से जंग: शहर के दो प्रमुख चौराहों का होगा कायाकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर में बढ़ते यातायात दबाव और आए दिन लगने वाले जाम से लोगों को राहत दिलाने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने प्रमुख चौराहों के कायाकल्प की तैयारी शुरू कर दी है। पहले चरण में सेठ मुकुंदलाल चौराहा और ठाकुरद्वारा तिराहे को नए स्वरूप में विकसित किया जाएगा। दोनों स्थानों के मौजूदा ढांचे में बदलाव के साथ यातायात प्रवाह को सुचारु बनाने और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्य कराए जाएंगे। जीडीए की योजना के अनुसार दोनों स्थानों पर अगले माह से काम शुरू कराने की तैयारी है। शहर के ये दोनों प्रमुख स्थान दिनभर वाहनों के दबाव में रहते हैं। आसपास बाजार और व्यावसायिक गतिविधियां अधिक होने के कारण सुबह और शाम के व्यस्त समय में यहां वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। इससे कई बार जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। इसी को देखते हुए जीडीए ने चौराहों की मौजूदा यातायात व्यवस्था में बदलाव कर उन्हें अधिक व्यवस्थित और सुरक्षित बनाने का निर्णय लिया है। अधिकारियों के मुताबिक परियोजना को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। प्रस्तावित कार्यों में सबसे महत्वपूर्ण चौराहों की ज्यामेट्री में सुधार करना है। इसके तहत वाहनों के आवागमन के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही ऐसे अनावश्यक कट और टकराव वाले बिंदुओं को दुरुस्त किया जाएगा, जहां अक्सर यातायात बाधित होता है। इससे वाहनों की आवाजाही अधिक सुचारु होने की उम्मीद है। कायाकल्प योजना के तहत दोनों स्थानों की सड़कों को भी मजबूत किया जाएगा।

दयावती मोदी गर्ल्स जूनियर हाई स्कूल में स्मार्ट क्लास व कंप्यूटर लैब का शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के सी एस आर पहल व सहयोग से जी बी टी सी ट्रस्ट ने दयावती मोदी गर्ल्स जूनियर हाई स्कूल सीकरी कला मोदीनगर में स्मार्ट क्लास व कंप्यूटर लैब का शुभारंभ शुक्रवार को जी बी टी सी ट्रस्ट ने इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के सी एस आर के माध्यम से दयावती मोदी गर्ल्स जूनियर हाई स्कूल, सीकरी कला मोदीनगर में स्मार्ट क्लास व कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया।इस पहल के तहत विद्यालय को अत्यधिक स्मार्ट क्लास उपकरण प्रदान कराए गए हैं ताकि इस विद्यालय के करीबन 350 विद्यार्थियों को इसके लंबे समय तक लाभ मिल सके। इस परियोजना का उद्देश्य बच्चों को तकनीक शिक्षा के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के प्रति प्रेरित करना है।उदघाटन समारोह के मुख्य अतिथि कुणाल हजारी, वरिष्ठ प्रबंधक, आ ई जी एल रहे, जिनकी कंपनी के सौजन्य से स्मार्ट क्लास कंप्यूटर लैब लगवाया गया है। विशिष्ट अतिथि ओ पी यादव (जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी), सुश्री महिमा दयाल (खंड शिक्षा अधिकारी), डॉ राकेश कुमार एवं सिंपल चौधरी जिला समन्वयक, पंकज जैन, सीईओ TMEN सिस्टम्स की उपस्थिति प्रेरणादायक रही। जीबीटीसी ट्रस्ट से देवेश मोहन , सह संस्थापक और दुर्गेश शुक्ल, जिला समन्वयक पवन कुमार तिवारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमति आभा रानी एवं प्रधानाध्यापक श्रीमति राखी गुप्ता की अगुवाई में हुआ। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया और पूरे शिक्षण स्टाफ ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये और आश्वासन दिया कि अपने विद्यालय को और भी स्मार्ट बनाएंगे।

कार लोन वेरिफिकेशन से इनकार पर भड़की बेटी, पिता-भाभी पर तानी पिस्टल

गेट तोड़कर घर में घुसी युवती, गोली मारने की धमकी का आरोप; CCTV में कैद हुई पूरी घटना

\कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। साहिबाबाद थाना क्षेत्र की वृंदावन गार्डन कॉलोनी में कार लोन के वेरिफिकेशन को लेकर पारिवारिक विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। आरोप है कि वेरिफिकेशन से इनकार करने पर बेटी ने पहले पिता और भाभी से गाली-गलौज व हाथापाई की और करीब 25 मिनट बाद सहेली के साथ दोबारा पहुंचकर घर का मेन गेट तोड़ दिया। इसके बाद पिता और भाभी पर पिस्टल तानकर गोली मारने की धमकी देने का आरोप है। पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की बात सामने आई है। पीड़ित हितेश तोमर के मुताबिक, उनकी बेटी प्रियंका तोमर करीब ढाई वर्ष पहले घर छोड़कर चली गई थी। 8 सितंबर की शाम करीब पांच बजे वह अपनी सहेली के साथ घर पहुंची और कार लोन के वेरिफिकेशन को लेकर पिता से बातचीत की। पिता के वेरिफिकेशन से इनकार करने पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि प्रियंका ने पिता से गाली-गलौज की और बीच-बचाव करने पहुंची भाभी के साथ भी हाथापाई की। पड़ोसियों के पहुंचने पर युवती वहां से चली गई, लेकिन करीब 25 मिनट बाद दोबारा पहुंची और कथित तौर पर गेट तोड़कर घर में घुस गई। शिकायत के आधार पर साहिबाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

कार की स्टीयरिंग सीट पर मिली युवक की लाश, मचा हड़कंप

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कविनगर थाना क्षेत्र में कार के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक अपनी ग्रैंड विटारा कार की स्टीयरिंग सीट पर मृत अवस्था में मिला। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार की जांच करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। मृतक की पहचान प्रताप विहार निवासी अनुराग श्रीवास्तव के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक अनुराग रोज की तरह शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे अपनी कार से काम के सिलसिले में घर से निकले थे। दोपहर बाद उनकी कार संदिग्ध हालत में खड़ी मिली। कार के अंदर अनुराग बेसुध अवस्था में पड़े थे। राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कविनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को बाहर निकालकर जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार और आसपास के क्षेत्र की जांच की। युवक को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने प्रारंभिक जांच में कार्डियक अरेस्ट की आशंका जताई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत का लग रहा है, लेकिन मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने घटनास्थल से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच शुरू कर दी है। कार किस स्थान पर खड़ी थी और युवक वहां किस परिस्थिति में पहुंचा, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने में जुटेगा गाजियाबाद, डीएम ने एनजीओ व इन्फ्लुएंसर्स को दिए प्रशस्ति पत्र

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ की अध्यक्षता में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। अभियान का उद्देश्य जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ नागरिकों को विकसित भारत-2047 के सामूहिक संकल्प से जोड़ना है। डीएम ने कहा कि अभियान को ऐतिहासिक और यादगार बनाने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

उन्होंने एनजीओ, सामाजिक संगठनों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स से सक्रिय सहभागिता करते हुए कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया।

बैठक में एनजीओ एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने बताया कि अभियान के तहत 12 अध्यायों में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इनमें सेवा दिवस, मेरे सपनों का भारत, नमो सेवा-अनकही कहानियां, सेवा ज्योति कलश यात्रा, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान, सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज और सुशासन सेवा संवाद प्रमुख हैं। साथ ही पात्र लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की कार्रवाई की जाएगी। बैठक का संचालन एनजीओ कोऑर्डिनेटर तनुज गंभीर ने किया।

नगर निगम की जमीन पर अवैध गतिविधियों की तैयारी का आरोप, बाउंड्री कराने के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राजनगर डिस्ट्रिक्ट सेंटर में नगर निगम की करीब 1000 वर्ग गज भूमि का शुक्रवार को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जानकारी मिली कि उक्त भूमि पर भगवान की मूर्ति की आड़ में कथित रूप से अवैध गतिविधियों की तैयारी की जा रही थी। स्थल के ठीक बराबर में शराब का ठेका भी संचालित है, जहां सार्वजनिक रूप से शराब का सेवन किए जाने और अन्य आपत्तिजनक गतिविधियों की शिकायत सामने आई। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अधिकारियों के अनुसार, धार्मिक आस्था की आड़ में

नगर निगम की भूमि पर किसी भी प्रकार का अनधिकृत कब्जा या गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नगर निगम की भूमि को सुरक्षित रखने के लिए शनिवार से मौके पर बाउंड्री कराने का कार्य शुरू कराया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण और अनधिकृत गतिविधियों से बचाना प्राथमिकता है।

सपा प्रदेश सचिव रेहान खान बने निष्ठा, त्याग और वफादारी की मिसाल; गरीबों और पिछड़ों के हक के लिए भरी हुंकार

मोहम्मद असलम

पलिया कलां (वेलकम इंडिया)। लखीमपुर खीरी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश का सम्मान करते हुए सपा प्रदेश सचिव रेहान खान ने समाजवादी पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा और राजनीतिक परिपक्वता का ऐतिहासिक उदाहरण पेश किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा आगामी समय में पार्टी की सरकार बनने पर बड़े सम्मान और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के दिए गए आश्वासन के बाद, रेहान खान बिना किसी मलाल के दोगुनी ऊर्जा और निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करने और जनसेवा के कार्यों में पूरी तरह जुट गए हैं। पद के नहीं, विचारधारा के सिपाही रेहान खान ने खुले शब्दों में स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का हर फैसला उनके लिए सर्वोपरि है। उनके इस कदम ने यह साबित कर दिया है कि वे किसी पद या व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के लोभी नहीं हैं, बल्कि समाजवादी विचारधारा के सच्चे, समर्पित और अनुशासित सिपाही हैं। व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर पार्टी के आदेश को शिरोधार्य करने के उनके इस

जज्बे ने पलिया की सियासत में उनके राजनीतिक और सामाजिक कद को कई गुना बढ़ा दिया है। गरीबों और बेसहारों के मसीहा क्षेत्र में एक दरियादिल नेता के रूप में पहचाने जाने वाले रेहान खान हमेशा गरीबों, बेसहारों और जरूरतमंदों के सुख-दुख में ढाल बनकर खड़े रहे हैं। पीड़ित परिवारों की आर्थिक मदद, राशन वितरण और वस्त्र प्रदान करने जैसे समाज सेवा के कार्यों के जरिए उन्होंने हर असहाय के आंसू पोंछने का काम निरंतर किया है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पिछड़े और कमजोर वर्गों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाना ही उनकी राजनीति का मुख्य ध्येय रहा है। गंगा-जमुनी तहजीब के पक्के पैरोकार रेहान खान क्षेत्र में हिंदू-मुस्लिम एकता और गंगा-जमुनी तहजीब की एक मजबूत मिसाल हैं। वे सभी धर्मों और त्योहारों का समान रूप से आदर करते हैं, जिसके चलते क्षेत्र के हर वर्ग, धर्म और समुदाय के लोगों में उनकी गहरी पैठ और अपार सम्मान है। मिशन 2027 और यूथ ब्रिगेड की तैयारी आगामी राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए रेहान खान ने युवाओं और समाज के हर तबके को समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारों से जोड़ने का सघन अभियान शुरू कर दिया है। यूथ ब्रिगेड को एकजुट कर वे क्षेत्र में सपा को नई धार दे रहे हैं, ताकि आने वाले समय में पार्टी को प्रचंड बहुमत दिलाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के हाथों को मजबूत किया जा सके।

रद्द लाइसेंस के बावजूद हेलमेट निर्माण जारी, BIS की छापेमारी में 730 हेलमेट जब्त

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) की टीम ने मानक चिह्न के दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जिले में दो निर्माण इकाइयों पर छापेमारी की। इक्र अधिकारियों के अनुसार लोनी स्थित हेलमेट निर्माण इकाई से रद्द इक्र लाइसेंस नंबर वाले 730 हेलमेट और 4,646 पैकेजिंग सामग्री जब्त की गई।

इसके अलावा मोहननगर क्षेत्र स्थित एक अन्य इकाई की जांच के दौरान 1,158 LPG रेगुलेटर बरामद किए गए। BIS टीम ने दोनों मामलों में मानक चिह्न और लाइसेंस संबंधी नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि उत्पादों पर BIS मानक चिह्न के दुरुपयोग और वैध लाइसेंस के बिना मानक चिह्न का इस्तेमाल किए जाने के मामलों में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के बाद संबंधित इकाइयों में मानकों के अनुपालन की भी जांच की जा रही है।

सेक्टर-56 को मिली बड़ी सौगात, 1.43 करोड़ से सुधरेगी सीवर व्यवस्था

कपिल चौहान

नोएडा (वेलकम इंडिया)। सेक्टर-56 में सीवर व्यवस्था को बेहतर एवं सुचारु बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण विकास कार्य पूरा हुआ। क्षेत्र में लगभग 1.43 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सम्पवैल एवं संबंधित सीवर लाइन के निर्माण कार्य का लोकार्पण माननीय नोएडा विधायक पंकज सिंह के साथ किया गया।

इस परियोजना के पूरा होने से सेक्टर-56 के क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं सुचारु सीवर निस्तारण की सुविधा मिलेगी। सम्पवैल और संबंधित सीवर लाइन के निर्माण से क्षेत्र में सीवर व्यवस्था अधिक प्रभावी होने के साथ ही जल निकासी संबंधी समस्याओं से भी राहत मिलने की उम्मीद है।

यह विकास कार्य क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय स्तर पर बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और सुधार से क्षेत्रवासियों को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत दो दोषियों को 10 और 7 वर्ष का कारावास

श्री सतीश कुमार शर्मा, विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो)

मु0आ0 सतकुमार, पैरोकार कन्विक्शन सेल

मु0आ0 राजीव वर्मा, पैरोकार थाना कविनगर

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पॉक्सो मामले में दो अभियुक्तों को न्यायालय ने सजा सुनाई है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कोर्ट संख्या-02 ने 11 सितंबर 2026 को अभियुक्त पप्पू सिंह को धारा 376(2) भादवि में 10 वर्ष का सश्रम कारावास व 20 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 366 भादवि में 5 वर्ष का सश्रम कारावास व 5 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अभियुक्त भीष्मपाल को धारा 354IY भादवि में 3 वर्ष का सश्रम कारावास व 5 हजार रुपये अर्थदंड, धारा 368 भादवि में 5 वर्ष का सश्रम कारावास व 5 हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 17 पॉक्सो अधिनियम में 7 वर्ष का सश्रम कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। पुलिस के अनुसार 27 सितंबर 2015 को थाना कविनगर में नाबालिग को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म किए जाने के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया गया था। कन्विक्शन सेल के प्रयास, विवेचक मनीष कुमार मिश्रा की विवेचना तथा विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो एक्ट सतीश कुमार शर्मा की प्रभावी पैरवी से अभियुक्तों को सजा दिलाई गई।

पिंक रोजगार मेले में बेटियों को मिली रोजगार की नई उड़ान

486 युवतियों ने लिया हिस्सा, 263 अभ्यर्थियों को मिले नियुक्ति-पत्र

कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर (वेलकम इंडिया)। महिला सशक्तिकरण और युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला सेवायोजन विभाग की ओर से राजकीय महिला पॉलिटेक्निक, बादलपुर में पिंक रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

मेले का शुभारंभ दादरी विधायक तेजपाल नागर ने दीप प्रज्वलित कर किया। जिलाधिकारी मेधा रूपम की गरिमामयी उपस्थिति रही। मेले में विभिन्न क्षेत्रों की 17 कंपनियों ने प्रतिभाग किया। ऑनलाइन और

ऑफलाइन माध्यम से कुल 486 छात्राओं एवं युवतियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें साक्षात्कार के बाद 263 अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें नियुक्ति-पत्र वितरित किए गए।

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने युवतियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि उनके भीतर अपार क्षमता है और मेहनत व लगन से वे अपने सपनों को साकार कर सकती हैं।

विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि युवतियों को रोजगार देकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान रोजगार संवर्धन के लिए जिला सेवायोजन कार्यालय और युवा शक्ति फाउंडेशन के बीच एमओयू भी हुआ।

जनसुनवाई में एसीपी नैय्यर ने सुनी फरियाद, समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर ने अपने कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंचे लोगों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। जनसुनवाई के दौरान फरियादियों ने विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों से उन्हें अवगत कराया।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक शिकायत पर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए।

नैय्यर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देते हुए पीड़ितों को राहत पहुंचाना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए।

एनसीआर में एडछ वाहनों पर परिवहन विभाग का शिकंजा, 2037 वाहन स्क्रैपिंग के लिए भेजे

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आयु सीमा पूर्ण (End of Life-EOL) वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने विशेष एवं सघन अभियान तेज कर दिया है। परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के तहत चल रहे अभियान में 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के तहत सम्भाग गाजियाबाद में अब तक 2037 आयु सीमा पूर्ण वाहनों को पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केन्द्र (RVSF) के माध्यम से स्क्रैप कराने के लिए सुपुर्द किया गया है। इनमें गाजियाबाद के 704, गौतमबुद्धनगर के 618, बुलंदशहर के 286 और हापुड़ के 429 वाहन शामिल हैं।

सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. सियाराम वर्मा ने बताया कि वाहन जांच के दौरान पंजीकरण विवरण, प्रथम पंजीकरण की तिथि, ईंधन के प्रकार और संबंधित अभिलेखों का सत्यापन किया जा रहा है। संदिग्ध वाहनों की जानकारी वाहन पोर्टल एवं उपलब्ध रिकॉर्ड से मिलान कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा प्रमुख मार्गों, राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों, व्यावसायिक क्षेत्रों, पार्किंग स्थलों समेत अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर लगातार जांच की जा रही है। विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि आयु सीमा पूर्ण वाहनों का संचालन न करें और निर्धारित नियमों का पालन करें। अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाशों के पैर में लगी गोली, तीन शातिर चोर-लुटेरे दबोचे

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना सिहानीगेट पुलिस ने पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन शातिर चोर-लुटेरों को गिरफ्तार किया। जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने उनके कब्जे से दो अवैध देशी तमंचे .315 बोर, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, 10/11 सितंबर की रात मुखबिर से सूचना मिली कि फैक्ट्री एरिया में बाइक सवार तीन संदिग्ध किसी वारदात की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मंगल पांडे मार्ग स्थित लोहियानगर सी-ब्लॉक कट के पास चेकिंग शुरू की। इसी दौरान तीनों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उन्होंने भागने का प्रयास किया। बाइक फिसलने पर एक आरोपी को पुलिस ने मौके पर पकड़ लिया, जबकि दो बदमाश भागने लगे। पीछा करने पर दोनों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी। घायल आरोपियों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।